दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

द राजा साब का क्रेज: बढ़ी प्रभास की ...8

बलरामपुर
शनिवार, 10 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 98 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारत ने यूएस और चीन को लेकर अपनाया सख्त रुख

अमेरिकी नेताओं के झूठ भी कर दिये उजागर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक साथ कई मोर्चों पर भारत का स्पष्ट और सख्त रुख सामने रखा। अमेरिका के साथ व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, चीन पाकिस्तान गठजोड़, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले, वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाएं और कूटनीतिक मर्यादा जैसे मुद्दों पर भारत ने न केवल तथ्य रखे बल्कि संदेश भी दिया कि दबाव और दुष्प्रचार से हमारी नीति नहीं बदलेगी। अमेरिकी कांग्रेस में भारत को 500 प्रतिशत शुल्क से दंडित करने वाले विधेयक पर विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को वैश्विक बाजार की स्थितियों के अनुसार विविध स्रोतों से पूरा करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 140 करोड़ लोगों की

ऊर्जा सुरक्षा भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी एक देश या दबाव के कारण भारत अपनी जनता के हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से आये हालिया बयानों को गलत करार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले वर्ष फरवरी से भारत और अमेरिका एक संतुलित और पारस्परिक लाभ वाले समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और कई बार सहमति के करीब भी पहुंचे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 2025 में आठ बार फोन पर बातचीत हुई है। देखा जाये तो यह तथ्य उन दावों को खारिज करता है जिनमें कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच संवाद नहीं है। विदेश मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि दोनों नेताओं के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं और कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप परस्पर सम्मान पर आधारित हैं। साथ ही चीन की आक्रामक गतिविधियों पर भी भारत ने बेहद सख्त भाषा में प्रतिक्रिया दी है। हम आपको बता दें कि शक्सगाम घाटी में चीन द्वारा सीपेक के तहत बुनियादी ढांचे के निर्माण को भारत ने अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है।

ट्रंप का भी पतन होगा...

ईरान में प्रदर्शनों के बीच खामेनेई का देश के नाम संबोधन

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कंपनी ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं के लिए धन उगाही के साधन के रूप में काम किया और पार्टी को चुनाव जीतने के लिए साजिशपूर्ण तरीके से तैयार करने में मदद की। ईरान में विरोध प्रदर्शनों में भारी तेजी के बीच, सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने जनता को संबोधित किया। अपने भाषण में, खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अहंकारी बताते हुए उन पर ईरानियों के खून से सने हाथ होने का आरोप लगाया। खामेनेई ने आगे दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति को सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा और उनसे अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देने को कहा।

दुबई-ईरान की कई उड़ानें रद्द

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, देश में अशांति के चलते शुक्रवार को दुबई से ईरान जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के मुताबिक, इनमें तेहरान, शिराज और मशहद समेत अन्य शहरों की उड़ानें शामिल हैं। इससे पहले, इस्तांबुल हवाई अड्डे के ऐप के अनुसार, तुर्की एयरलाइंस ने ईरान की राजधानी तेहरान जाने वाली शुक्रवार की पांच उड़ानें रद्द कर दी थीं। एएफपी ने फ्लाइट रडार वेबसाइट के हवाले से बताया कि तुर्की एयरलाइंस की शिराज जाने वाली एक उड़ान और पेगासस एयरलाइंस की मशहद जाने वाली एक अन्य उड़ान गुरुवार रात को ईरानी हवाई क्षेत्र से वापस लौट गईं।

डिफेंस हब बनेगा लखनऊ

राजनाथ सिंह बोले: आत्मनिर्भर भारत से बढ़ी देश की ताकत

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में अशोक लेलैंड के विनिर्माण संयंत्र का दौरा किया। इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित अपने दौरे के दौरान, उन्होंने संयंत्र में निर्मित हल्के सामरिक वाहन, मानवरहित जमीनी वाहन, बारूदी सुरंग से सुरक्षित वाहन और लॉजिस्टिक ड्रोन के उत्पादन की समीक्षा की। इस दौरे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। अपने उद्घाटन भाषण में रक्षा मंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सरकार ने एक रक्षा गलियारा स्थापित किया है। सशस्त्र बलों से संबंधित हथियार और गोला–बारूद अब लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, चित्रकूट और अलीगढ़ में निर्मित किए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश पहले ही हो चुका है। बड़ी कंपनियां आ रही हैं और कारखाने स्थापित कर रही हैं। इससे स्थानीय लोगों को भी प्रत्यक्ष लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में

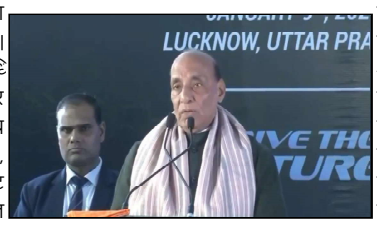

ब्रह्मोस फैक्ट्री भी स्थापित की गई है, जिसका प्रभाव आपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा होगा। भारत अब अपने हथियार स्वयं बना रहा है। इस सामरिक सुधार में उत्तर प्रदेश लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि, "उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अलग नीति बनाई हैय एयरोस्पेस और रक्षा इकाई और रोजगार प्रोत्साहन नीति। इसका अर्थ है कि उत्तर प्रदेश को एक ऐसे राज्य के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां बड़े पैमाने पर सैन्य उपकरणों का निर्माण किया जाएगा।" राजनाथ ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में, जब मैं आत्मनिर्भरता की बात करता हूं, तो रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से इस दिशा में आगे बढ़ चुका है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन 46,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आज हमारा रक्षा निर्यात 25,000 करोड़ रुपये है, और 2030 तक यह बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। राज्य में औद्योगीकरण का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ष्उत्तर प्रदेश, जो कभी अराजकता के लिए जाना जाता था, आज औद्योगिक विकास के कारण एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। उत्तर प्रदेश अब देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह अशोक लेलैंड इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र स्थानीय लोगों को काफी लाभ पहुंचाएगा।

आतंकवाद पर अब होगा डिजीटल स्ट्राइक

अमित शाह बोले- एनआईडीएमएस बनेगा देश का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। भारत की पहली राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि यह आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी का सुरक्षा कवच बनेगी और देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण में आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा प्रणाली तीन प्रमुख तरीकों से मजबूत होगी। शाह ने गुरुग्राम के मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में एनआईडीएमएस का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए यह बयान दिया। यह भारत की आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विरोधी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, एनएसजी के महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और विभिन्न राज्यों के पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे। एनएसजी द्वारा विकसित एनआईडीएमएस एक सुरक्षित, राष्ट्रीय स्तर का डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) से संबंधित डेटा का व्यवस्थित संग्रह, संकलन और प्रसार करना है। शाह ने अपने संबोधन में कहा, ष्देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण के लिए एनआईडीएमएस आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

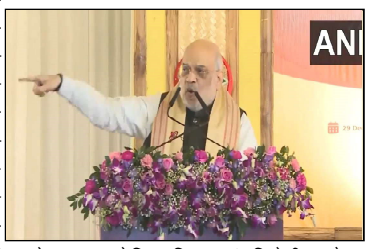

बंगाल में चुनाव से पहले बड़ा घमासान

दिल्ली में टीएमसी सांसदों की गिरफ्तारी पर ममता का केंद्र सरकार पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह प्रदर्शन केंद्रीय एजेंसी द्वारा आई–पीएसी के कार्यालय पर छापेमारी के एक दिन बाद हुआ। बनर्जी ने दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के सांसदों की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक विरोध को दबाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में गरिमा और सम्मान पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता, और इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में बैठे लोग नागरिकों और

निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मनमाने ढंग से व्यवहार नहीं कर सकते। राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आई–पीएसी कार्यालय पर की गई छापेमारी के विरोध में प्रदर्शन करने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कई सांसदों को हिरासत में लिया गया। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री बनर्जी ने लिखा कि मैं हमारे सांसदों के साथ किए गए शर्मनाक और अस्वीकार्य व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं। गृह मंत्री के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों को सड़कों पर घसीटना कानून प्रवर्तन नहीं है – यह वर्दी में अहंकार है। यह लोकतंत्र है, भाजपा की निजी संपत्ति नहीं। लोकतंत्र सत्ता में बैठे लोगों की सुविधा या आराम पर नहीं चलता। जब भाजपा नेता विरोध करते हैं, तो वे लाल कालीन और विशेष विशेषाधिकारों की उम्मीद करते हैं। जब विपक्षी सांसद अपनी आवाज उठाते हैं, तो उन्हें घसीटा जाता है, हिरासत में लिया जाता है और अपमानित किया जाता है।

एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

13 जनवरी को अर्जियों पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार समेत कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए भारत निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अंतिम सुनवाई 13 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में इन याचिकाओं की सुनवाई तय की थी, लेकिन बाद में कहा कि वह मंगलवार (13 जनवरी) को कार्यवाही फिर से शुरू करेगी। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें फिर से पेश करने वाले थे। 6 जनवरी को, निर्वाचन आयोग ने पीठ को बताया था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पीठ को बताया था कि उसके पास मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (ष्प्त) करने की शक्ति और क्षमता है, और इसके साथ ही यह संवैधानिक दायित्व भी है कि कोई भी विदेशी मतदाता के रूप में पंजीकृत न हो। इन याचिकाओं में बिहार सहित कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती दी गई है और इनमें चुनाव आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता तथा मतदान के अधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उठाए गए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय उन कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है जिनमें यह तर्क दिया गया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग की संवैधानिक शक्तियों का उल्लंघन कर सकती है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू की जाएगी। मामले में चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी को अपने तर्क आगे बढ़ाने थे। 6 जनवरी को चुनाव आयोग ने करने का अधिकार और क्षमता उसके पास है, साथ ही यह सुनिश्चित करना संवैधानिक कर्तव्य है कि किसी भी विदेशी को मतदाता के रूप में पंजीकृत न किया जाए।

पाक के सुर में सुर मिला रही विपक्षी पार्टियां...

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में ऐतिहासिक फैज–ए–इलाही मस्जिद के पास तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर उठे विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष और आलोचकों के उन आरोपों का कड़ा खंडन किया है जिनमें मस्जिद को ध्वस्त करने का दावा किया गया था। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के इसी दावे का वीडियो साझा करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा है और भारत–भारत गठबंधन को रावलपिंडी गठबंधन करार दिया है। पूनावाला ने इन आरोपों को ष्फर्जी, दुष्प्रचार और उकसावाष बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि आलोचकों के आरोपों के विपरीत मस्जिद को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाया गया है।

कांग्रेस की रैलियों और कार्यक्रमों में भारी भीड़ उमड़ने से भाजपा चिंतित: गौरव गोगोई

गुवाहाटी। राज्य में आगामी चुनावों से पहले, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस की रैलियों और कार्यक्रमों में भारी भीड़ उमड़ने से भाजपा चिंतित है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी डरी हुई है क्योंकि उसका भ्रष्टाचार उजागर होने वाला है। गोलाघाट में एएनआई से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि भाजपा डरी हुई है। वे देख रहे हैं कि कांग्रेस की रैलियों में कितनी भीड़ उमड़ रही है और कांग्रेस किस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसलिए भाजपा डरी हुई है क्योंकि उसका सारा भ्रष्टाचार उजागर होने वाला है।

बेटी को न्याय दिलाना प्राथमिकता, अंकित भंडारी केस में सीएम धामी का बड़ा ऐलान, सीबीआई करेगी जांच

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अंकित भंडारी हत्याकांड (2022) की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच के आदेश देने की घोषणा की। यह आदेश अंकित भंडारी के अभिभावकों की मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद दिया गया। अंकिता भंडारी के अभिभावकों ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री से अपनी बेटी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग की। अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी ने बुधवार रात धामी से मुलाकात की और उन्हें एक पत्र सौंपा जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मामले की जांच की मांग की गई थी। एक वीडियो संदेश में धामी ने कहा कि बेटी अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंकिता के माता–पिता ने भेंट के दौरान ब्ठप जांच की मांग रखी थी जिसका सम्मान करते हुए हमारी सरकार ने इस मामले की जांच ब्ठप से कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि मातृशक्ति की सुरक्षा एवं उनके सम्मान के लिए हमारी सरकार सदैव प्रतिबद्ध रही है।

दिल्ली का तुर्कमान गेट छावनी में तब्दील

पत्थरबाजी के बाद बीएनएसएस की धारा 163 लागू, 1000 जवान तैनात

नई दिल्ली। शुक्रवार को अधिकारियों ने बताया कि तुर्कमान गेट इलाके के पास हुई पत्थरबाजी की घटना के मद्देनजर दिल्ली की फैज–ए–इलाही मस्जिद के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी गई है, जिससे लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने लोगों से घर पर ही नमाज अदा करने की अपील की है। बुधवार को मस्जिद के पास दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाने के अभियान के बाद पत्थरबाजी की घटना घटी। शुक्रवार की नमाज को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने मस्जिद के बाहर और आसपास के इलाकों में 1,000 से अधिक

पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसके अलावा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए फैज–ए–इलाही मस्जिद के पास अर्धसैनिक बलों और दंगा रोधी वाहनों को भी तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना के संबंध में अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की कि हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए 30 लोगों की पहचान कर ली गई है। यह पहचान सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की मदद से की गई। पुलिस टीमों ने शेष संदिग्धों को हिरासत में लेने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की है। पत्थरबाजी से पहले का एक पुलिस बॉडीकैम वीडियो अतिक्रमण हटाए जाने के समय का है। पुलिस बॉडीकैम से इसी तरह के अन्य वीडियो भी देखे जा रहे हैं, जिनमें संभवतः दंगाइयों को कैद किया गया है। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, दिल्ली पुलिस समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नादवी को समन जारी करने वाली है, जिसमें उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। हिंसा भड़कने से कुछ ही समय पहले नादवी घटनास्थल पर मौजूद थे।

तैयारियां पूरी: सफाई कर्मचारी संघ चुनाव के लिये नामांकन 11 से

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन और पदाधिकारियों की चुनाव प्रक्रिया रविवार 11 जनवरी से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुये संघ के मंत्री मनोज कुमार चौहान ने बताया कि प्रेस क्लब सभागार में 11 जनवरी को दिन में 11 बजे से 1 बजे तक नामांकन, उसी दिन 2 बजे से नाम वापसी, चुनाव चिन्ह का वितरण और 18 जनवरी को मतदान पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में होगा। प्रत्याशियों को सफाई कर्मचारी होने का प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड की छाया प्रति और शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा। मनोज कुमार ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा अधिवेशन और चुनाव सम्पन्न कराने हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किये जायेंगे। प्रदेश महामंत्री रामेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराया जायेगा। संघ के मंत्री मनोज कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष पेशकार ने बताया कि अधिवेशन की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूरा कराने के लिये सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है

रूधौली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैंदान में उतरेंगे मनोज चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आगामी विधानसभा चुनाव भले ही 2027 में होना हो

कठाके की ठंड में भी सरगर्मियां तेज हैं और भावी उम्मीदवारों ने अपने–अपने क्षेत्रों में सम्पर्क और रणनीति बनाना शुरू कर दिया है।इसी कड़ी में रूधौली विधानसभा क्षेत्र में पिपरपाती खुर्द निवासी चांदनी चौधरी और उनके पति मनोज कुमार चौधरी की विधानसभा में दावेदारी चर्चा में हैं। मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि इस बार मुद्दा होगा ' बाहरी हटाओ, रूधौली बचाओ'। कहा कि रूधौली विधानसभा क्षेत्र में किसान, नौजवान के साथ ही सभी वर्गो के लोग परेशान हैं। चीनी मिल से समय से भुगतान नहीं हो पाता। वाल्टरगंज चीनी मिल बंद है और गन्ना किसानों का करोड़ो रूपयों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। उद्योग धंधों के अभाव में बेरोजगार युवा पलायन को विवश है। यदि उन्हें या उनकी पत्नी को रूधौली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मौका मिला तो वे पूरी निष्ठा के साथ जनता की इच्छा आकाक्षाओं को पूरा करने की दिशा में जमीनी स्तर पर पहल करेंगे। मनोज कुमार चौधरी का कहना है कि जन प्रतिनिधि क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर नहीं हैं। वे चुनाव में बड़े–बड़े वायदे तो करते हैं किन्तु जीत जाने के बाद उसे भूल जाते हैं। वे राजनीति के माध्यम से क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज करने का अलख जगाये रखेंगे। बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस दल से चुनाव मैंदान में उतरेंगे, इसके बावजूद सम्पर्क जारी है।

चित्राखोर से कटाई मार्ग के उच्चीकरण की मांग: भाजपा नेता ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अच्चितानन्द मिश्र ने सड़क के उच्चीकरण और चौडीकरण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन देने के बाद भाजपा नेता अच्चितानन्द मिश्र ने बताया कि विकास खण्ड बनकटी के चित्राखोर से बरहुंआ पक्कवा बाजार होते हुए कोरऊँ व कटाई को जाने वाली सड़क दूरी लगभग 7 किलोमीटर अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बनकटी से इस रास्ते से खलीलाबाद जाने में लगभग 10 किलोमीटर दूरी कम हो जाती है। बताया कि इस मार्ग पर सरकारी बस व कई निजी सवारी गाड़ियां चलती है। रास्ता

खराब होने से आम जनमानस को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मार्ग खराब होने के कारण बनकटी से खलीलाबाद जाने के लिये लोग बनकटी से लगभग 15 किलोमीटर नाथनगर व नौरंगिया होकर जाते है। जिससे दूरी अत्यधिक बढ़ जाती है। यदि उक्त मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण हो जाये तो लोगों की परेशानी समाप्त हो जायेगी। ज्ञापन देने के दौरान ब्रजेश पाण्डेय, हरीलाल निषाद, शुभम आदि शामिल रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया रैन बसेरों, अलाव व्यवस्था का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने गुरूवार को देर रात नगर क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका द्वारा संचालित स्थाई व अस्थाई रैन बसेरों की स्थिति जांची और प्रमुख चौराहों पर जल रहे अलावों का जायजा लिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा के साथ नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने रैन बसेरों में रुकने वाले यात्रियों और निराश्रितों के लिए बिस्तर, कंबल और साफ–सफाई की व्यवस्था देखी। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिए कि भीषण ठंड में किसी भी व्यक्ति को खुले में सोने की मजबूरी न हो। शहर के प्रमुख स्थानों और सार्वजनिक चौराहों पर जल रहे अलावों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि राहगीरों और जरूरतमंदों को राहत मिल सके। निरीक्षण के दौरान श्रीमती नेहा वर्मा ने आम जनमानस से सीधी बात की और दी जा रही सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। कहा कि नगरवासियों और बाहर से आने वाले यात्रियों की सेवा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। कड़ाके की इस ठंड में किसी को भी असुविधा न हो, इसके लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह सजग है। अलाव और रैन बसेरों की व्यवस्था में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस दौरान अश्विनी श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वर्गीय रमेश चंद्र श्रीवास्तव की 11वीं पुण्यतिथि पर भंडारा व कंबल वितरण का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं वरिष्ठ समाजसेवी राकेश श्रीवास्तव के पिता स्वर्गीय रमेश चंद्र श्रीवास्तव जी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बस्ती शहर स्थित होटल क्लार्क इन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय रमेश चंद्र श्रीवास्तव जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत समाजसेवा के उद्देश्य से जरूरतमंद लोगों के बीच भंडारे व कंबल वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें हज़ारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर होटल क्लार्क इन के मालिक राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि उनके पिता सदैव सेवा, सरलता और मानवता के मूल्यों में विश्वास रखते थे और उनकी स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य उन्हीं आदर्शों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना ही उनके पिता को सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समाजसेवी आशीष श्रीवास्तव आशु ने कहा की अपने पिता की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर शत–शत नमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। और उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते और संस्कारों को हमेशा साथ लेकर आगे बढ़ता रहूँगा। आपकी यादें हमारे दिलो में हमेशा बनी रहेगी, हम सब पर आपका आशीर्वाद बना रहे। भंडारे व कंबल वितरण में मुख्य रूप से अशोक सिंह, रिंकू श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, कात्यायनी पांडेय, राजकुमार पांडेय, जयंत मिश्रा, प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, राय अंकुरम श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लाखों की लागत से बना सामुदायिक शौचालय बना खण्डहर, जिम्मेदारों की लापरवाही उजागर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड कार्यालय बांसी के बगल अशोक नगर में लाखों रुपये की लागत से बना सामुदायिक शौचालय आज खुद बदहाली की तस्वीर बना हुआ है। शौचालय के अन्दर से लेकर

बाहर तक गन्दगी का अम्बार लगा है और मुख्य गेट पर ताला लटका हुआ है। मानो यह जनता के लिए नहीं बल्कि कागजों की शोभा बनकर रह गया हो। इस स्थान पर विकास खण्ड कार्यालय, बैंक, खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान स्थित हैं, जहां रोजाना सैकड़ों लोग आते–जाते हैं। इसके बावजूद आम जनता, महिलाएं, बुजुर्ग और दिव्यांग लोग शौचालय के अभाव में परेशान होने को मजबूर हैं। नगर पालिका द्वारा स्वच्छता और जनसुविधा के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किये गये, लेकिन हकीकत यह है कि यह सामुदायिक शौचालय अब खण्डहर में तब्दील हो चुका है। यह साफ दर्शाता है कि नगर पालिका बांसी में विकास कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका में अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी (ईओ) को छोड़कर एक बाबू पूरे सिस्टम पर भारी पड़ रहा है। जिसकी मनमानी के चलते जनहित के कार्य ठप पड़े हैं और सरकारी धन का खुला दुरुपयोग हो रहा है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होगी और जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपए का हिसाब लिया जायेगा?

सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाये - डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड शोहरतगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत एकडेंगा भावपुर में शुक्रवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल श्गांव की समस्या गांव में समाधानश कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चौपाल कार्यक्रम में डीएम ने ग्राम चौपाल–गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओ के बारें में जानकारी प्राप्त की गयी तथा समीक्षा की गयी। डीएम ने ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त किया गया कि शासन की योजनाओ की जानकारी मिल रही है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि शासन की योजनाओ का लाभ मिल रहा है। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाये। आयुष्मान कार्ड से 05 लाख तक का निःशुल्क इलाज की सुविधा है। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसलों के क्षति पूर्ति का भुगतान एवं किसान सम्मान निधि की समस्याओं का निराकरण कराये। इसी क्रम में पूरे जनपद में चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। शासन से निर्देश मिले हैं कि पहले से चल रही योजनाओं को और अधिक सुधार कर प्रभावी रूप से लागू किया जाये। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों से उन्होंने कहा कि यदि किसी को पेंशन से जुड़ी समस्या है, जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन या दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है, तो वे तुरन्त जानकारी दें। ब्लॉक स्तर के कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जायेगा। इसके अलावा जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि महिलाओं को सरकार की ओर

से आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। डीएम ने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा चलायी जा रही योजना के अन्तर्गत पंजीकरण कराकर बिजली बिल में छूट का लाभ प्राप्त करें। बिजली विभाग की एक मुश्त समाधान योजना चल रही है आप लोग इसका लाभ उठाये। राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता नही होना चाहिए। वरासत के प्रकरणों को समयान्तर्गत निस्तारित कराये। भूमि विवाद/पैमाइश आदि प्रकरण यदि है तो प्रार्थना–पत्र दे सकते है। डीएम ने कहा कि पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कराकर पेंशन का लाभ दिया जाये। डीएम ने ग्रामवासियों से पूछा कि गांव की कोई और समस्या हो तो बताएं। डीएम ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाये। इसके किसी भी प्रकार की हीलाहवाली करने पर सम्बधित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जन्म प्रमाण–पत्र, आय, जाति, निवास प्रमाण–पत्र का आवेदन निर्धारित समय में निस्तारित कराये। आपदा राहत के अन्तर्गत लाभ दिलाये। कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ दिलाये। सभी लोग अपना फार्मर रजिस्ट्री करा ले जिससे सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ का लाभ मिल सके। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। ग्राम चौपाल में सम्बन्धित विभाग द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं के बारे जानकारी दिया गया। ग्राम चौपाल के दौरान डीएम शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम विधिवत रूप से सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्र, पीडी नागेन्द मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, डीसीएनआरएलएम देवनन्दन दूबे, उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी शोहरतगढ़ चन्द्रभूषण तिवारी सहित अन्य ब्लाक स्तरीय अधिकारीगण एवं ग्रामवासी आदि उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति टीम ने मिठौवा गांव में जाकर में छात्र व छात्राओं को महिला अपराध व उससे बचाव के बारें में दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक मिश्रौलिया राजेश तिवारी के कुशल

नेतृत्व में शुक्रवार को मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत थाना मिश्रौलिया मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इण्टर कालेज ग्राम मिठौवा में जाकर में छात्र/छात्राओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व नये कानून के बारें में जागरुक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे बालिकाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर–112, पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108, एम्बुलेंस सेवा, 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन, 102, स्वास्थ्य सेवा के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति पुलिस टीम में उप निरीक्षक श्याम चन्द रत्ना, उप निरीक्षक राजकुमार, हेड कांस्टेबल तेज प्रकाश मौर्य, महिला आरक्षी नीलम मौजूद रहीं।

कौवा एवं सीतारामपुर में ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्रा०पं० कौवा एवं ग्रा०पं० सीतारामपुर में गांव की समस्या गाँव में समाधान करने हेतु ग्राम चौपाल लगाया गया। कौवा में चौपाल की अध्यक्षता प्रभारी सचिव रामस्वरुप गुप्ता ने की तो वहीं सीतारामपुर में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी सचिव गौरव श्रीवास्तव ने की। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, जी राम जी (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारियों समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक

प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के सजी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा योजना) पर बृहद चर्चा किया गया।जी राम जी योजना की विशेषताओं को लेकर अधिकारियों ने बताया कि पूर्व योजना नाम मनरेगा में 100 दिनों की रोजगार गारंटी थी, जबकि जी राम जी में 125 दिनों की रोजगार गारंटी है। मनरेगा में केवल रोजगार पर फोकस था, जबकि जी राम जी में ग्रामीण विकास और जल संरक्षण पर भी फोकस है। मनरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी थी, जबकि जी राम जी में बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और जीपीएस आधारित अटेंडेंस जैसी सुविधाएं हैं। इसमें सिंचाई, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, वृक्षारोपण और जल–स्वच्छता से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं, जो ग्रामीण बुनियादी ढांचे को और मजबूत करती हैं। इस दौरान कौवा गांव में प्रभारी सचिव रामस्वरुप गुप्ता, ग्राम प्रधान सोनमती, प्रधान प्रतिनिधि रामकुमार चौरसिया, अमन शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, नीलम सिंह, खजांची प्रसाद, राज बहादुर व सीतारामपुर गाँव में प्रभारी सचिव गौरव श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान अब्दुल रसीद, रोजगार सेवक लवकुश तथा गांव के महेन्द्र श्रीवास्तव, मशहूर आलम, राजकुमार, भोला गुप्ता, जैसराम, राजेन्द्र, अब्दुल रज्जाक आदि मौजूद रहे तो वहीं चौपाल कार्यक्रम में अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी नदारत रहे।

मिशन शक्ति टीम ने हाथपरा गांव की महिलाओं व बालिकाओं को चौपाल लगाकर किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर चन्द्रकान्त पाण्डेय के नेतृत्व में शुक्रवार को थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हाथपरा की बहू का जो थाने तक नहीं आ सकती हैं, उनको चौपाल लगाकर बहु सम्मेलन कर जागरूक किया। वहीं खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित

मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर नये कानून के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति पुलिस टीम में उप निरीक्षक तल्लीमुद्दीन खान, हेड कांस्टेबल धनंजय दुबे, कांस्टेबल सत्यप्रकाश यादव, महिला कांस्टेबल प्रीती मौजूद रहीं।

नपा बांसी के राप्ती नगर वार्ड में गन्दगी का आतंक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी के राप्ती नगर वार्ड संख्या–2 सोनारी मोहल्ला की हालत इन दिनों बेहद चिन्ताजनक हो गई है। पूरे मोहल्ले में नालियों की सफाई न होने के कारण जगह–जगह गन्दा पानी जमा है, जिससे वातावरण दूषित हो रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि मालिन बस्ती ऑनलाइन पोर्टल पर इस समस्या को लेकर शिकायत भी दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक नगर पालिका के जिम्मेदारों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नालियों में जमा कीचड़, प्लास्टिक और कचरे के कारण पानी का बहाव पूरी तरह बन्द हो चुका है। मोहल्ले के हनुमान मंदिर के पास स्थिति और भी भयावह हो गई है। यहां नाली गन्दगी से पूरी तरह जाम है, जिससे गन्दा पानी सड़कों और घरों के सामने फैल रहा है। इस क्षेत्र में रहने वाली सुशील देवी, सन्तोष कुमार, केशव लाल, मीनू सहित करीब दो दर्जन से अधिक परिवार इस नारकीय स्थिति से जूझ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और बच्चों तथा बुजुर्गों में बुखार, त्वचा रोग और एलर्जी जैसी समस्याएं सामने आने लगी हैं। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा सफाई कर्मियों को भेजना या नाली की मरम्मत कराना जरूरी नहीं समझा जा रहा है। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका केवल कागजों में सफाई और स्वच्छता अभियान दिखा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नालियों की सफाई नहीं कराई गई तो वे मजबूर होकर आन्दोलन का रास्ता अपनायेंगे। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या नगरपालिका किसी बड़ी बीमारी फैलने का इंतजार कर रही है या फिर जनता की शिकायतों को इसी तरह नजरअंदाज किया जाता रहेगा? वहीं नपा बांसी के राप्ती नगर के मोहल्ला वासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग किया हैं।

डीएम की अध्यक्षता में नगर निकाय के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर निकाय के कार्यो की समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा नगर पालिका/ नगर पंचायतों में कराये जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी कार्यो की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रगति लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही गौशाला में सीसीटीवी कैमरा लगवाने का निर्देश दिया। गौवंश हेतु हरा चारा आदि की व्यवस्था कराने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत एवं अन्य सम्बन्धित नगर पंचायत शोहरतगढ़ में उपस्थित रहे। कार्यो को गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

बुलडोजर द्वारा सार्वजनिक भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। तहसील इटवा क्षेत्र अन्तर्गत राजस्व विभाग की टीम ने सार्वजनिक भूमि पर किये गये अवैध कब्जे

को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में उक्त कार्रवाई की। पूरा मामला इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम बरगदवा पूर्वी का है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव के मो0 शाहिद खान ने लम्बे समय से सार्वजनिक जमीन पर कब्जा कर रखा था। समय बीतने के साथ उस पर पक्का निर्माण भी कर लिया था। शिकायत होने पर राजस्व विभाग ने जांच की, जिसके बाद विभाग ने जांच की मदद से निर्माण कार्य को ध्वस्त करते हुए कब्जा हटवाया गया। टीम में नायब तहसीलदार राघवेंद्र पांडेय, राजस्व निरीक्षक अनुरुद्ध, लेखपाल राजीव सिंह, विजय कुमार, चंद्र लाल, दीनानाथ उपस्थित रहे।

तहसीलदार शोहरतगढ़ से हाथापाई में ग्राहक सेवा संचालक पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ फार्मर रजिस्ट्री वितरण के दौरान तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव के साथ हाथापाई के मामले में पुलिस ने ग्राम नकाही स्थित ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जहां आनलाइन सेवा केन्द्र पर विवाद ने मार–पीट का रूप ले लिया। प्रशासनिक अमले की तहरीर पर कार्रवाई की गई है। आपको बता दें कि गुरुवार दोपहर शोहरतगढ़ तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, लेखपाल के पति ऋषभ सिंह के साथ ग्राम नकाही स्थित सहज जनसेवा केन्द्र पहुंचे थे। यहां फार्मर रजिस्ट्री वितरण और पंजीकरण का कार्य होना था। जिसको लेकर आरोप लगाया गया कि केन्द्र संचालक

जीतू चौधरी ने तत्काल कार्य करने में असमर्थता जताई और बाद में रजिस्ट्री करने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में नोक–झोक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीण भी विवाद में शामिल हो गये। तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने घटना को सूचना उपजिलाधिकारी और थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ को दी। सूचना पर उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा, नायब तहसीलदार महबूब अंसारी और लेखपालों के साथ मौके पर पहुंचे। नकाही गांव में जुटी भीड़ की स्थिति को देखते हुए उपजिलाधिकारी ने लोगों को शान्त कराया और तहसीलदार को सुरक्षा की दृष्टि से थाने ले जाया गया। शोहरतगढ़ थाने में तहसीलदार के अर्दली राम प्रकाश ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि जनसेवा केन्द्र संचालक और अन्य लोगों ने तहसीलदार के साथ धक्का–मुक्की व गाली–गलौज की और सरकारी वाहन तथा सरकारी कागजात को क्षति पहुंचाई। शोहरतगढ़ पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक नामजद और यह अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। वहीं दूसरे पक्ष के कुछ ग्रामीणों ने बताया कि पहले तहसीलदार द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया, जिससे स्थिति बिगड़ी। इस पर तहसीलदार का कहा कि दूसरे पक्ष द्वारा स्वयं को बचाने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाये जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

उर्द एवं मूंग मिनी किट वितरण हेतु कृषकों द्वारा आवेदन प्रारम्भ : राजेश कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क दलहन एवं तिलहन बीज मिनी किट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत जायद–2026 में उर्द एवं मूंग के बीज मिनी किट को निःशुल्क उपलब्ध कराए जायेंगे। उक्त आशय की जानकारी उप कृषि निदेशक सिद्धार्थनगर राजेश कुमार ने कहीं। उन्होंने बताया कि उक्त मिनी किट लाभार्थियों का चयन लॉटरी पद्धति द्वारा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के माध्यम से कृषकों का चयन किया जायेगा। इच्छुक कृषक जो इस योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते है, उन्हे कृषि दर्शन–2 पोर्टल एचटीटीपीएसरूंहतपकंर्तेंद. नच.हवअ.पद पर अनिवार्य रुप से बुकिंग/आवेदन कराना होगा। बुकिंग प्रारम्भ होने की तिथि से समाप्ति की तिथि 15 जनवरी 2026 है। वहीं बुकिंग का माध्यम कृषि विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग/आवेदन है। आपको बता दें कि एक कृषक केवल एक ही मिनी किट प्राप्त कर सकेंगा। कृषि विभाग में पंजीकृत कृषक ही मिनी किट हेतु बुकिंग/आवेदन कर सकेगा। जनपद के लक्ष्य से अधिक आवेदन होने की दशा में लॉटरी के माध्यम से चयन किया जायेगा। कृषि विभाग सभी कृषकों से अपील करता है कि वे समय से अपना आवेदन / बुकिंग आवश्यक करें एवं इस योजना का लाभ उठाएं।

डीएम व एसपी ने संयुक्त रुप में चांद मेकरानी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम मधुबेनिया नौगढ़ पर किया निःशुल्क हेलमेट वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर ने संयुक्त रूप में शुक्रवार को चांद मेकरानी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम मधुबेनिया नौगढ़ पर निःशुल्क हेलमेट वितरण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने अपील किया कि बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन न चलाये। हेलमेट पहने और सुरक्षित रहे। साथ ही ष्नो हेलमेट नो फ्यूलष (बिना हेलमेट के ईंधन नहीं) नियम का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पेट्रोल पम्पों पर यातायात नियमों से सम्बन्धित पम्पलेट वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि हेलमेट का उपयोग सड़क दुर्घटनाओं में जानमाल की रक्षा करने का सबसे सरल एवं प्रभावी उपाय है। वहीं एसपी ने कहा कि ष्नो हेलमेट नो फ्यूलष अभियान से दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट उपयोग की आदत विकसित होगी, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस कार्यक्रम के दौरान एआरटीओ सिद्धार्थनगर सुश्री प्रियम्बदा सिंह, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, सीओ सदर विश्वजीत सौर्यवान (आईपीएस), यातायात पुलिस सिद्धार्थनगर एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी सहित आमजन की उपस्थिति रहीं।

पुलिस ने एक नफर वारन्टी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेशानुसार अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी डुमरियागजं बृजेश कुमार वर्मा के निर्देशन मे एवं थानाध्यक्ष भवानीगंज बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारन्ट में शुक्रवार को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। वहीं वारन्टी अजमेरी पुत्र सूरजू बंजारा निवासी जंगलीपुर थाना भवानीगंज जनपद सिद्धार्थनगर (दण्ड वाद सं0–1597/04 धारा 3/5ए/8 सीएस एक्ट थाना जोगिया उदयपुर) है। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक भूपेन्द्र राज सिंह, हेड कांस्टेबल हरेन्द्र यादव, कांस्टेबल अजय यादव मौजूद रहें।

मतदाता सूची में प्रमाणिकता के साथ जोड़ा जायें छूटे लोगों का नाम : पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र के इटवा, बिस्कोहर व खुनियांव मण्डल में भाजपा ने गुरुवार को एसआईआर (द्वितीय चरण) कार्यशाला का आयोजन किया। पूर्व मंत्री डा0 सतीश द्विवेदी ने कहा कि प्रारम्भिक सूची निकलने के बाद यदि किसी योग्य, सक्रिय अथवा वास्तविक आम नागरिक का नाम किसी कारणवश छूट गया हो, तो उसे जोड़ने की प्रक्रिया एसआईआर के निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाम बढ़ाने से पूर्व स्थल

सत्यापन, स्थानीय पदाधिकारियों की पुष्टि और प्रामाणिक तथ्यों का होना अनिवार्य है। बूथ, शक्ति केन्द्र और मण्डल स्तर के पदाधिकारी इस कार्य में अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें, ताकि सूची में केवल वास्तविक और सक्रिय लोगों के नाम ही सम्मिलित हों। पूर्व मंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्य को जिम्मेदारी, ईमानदारी और संगठन हित को सर्वोपरि रखते हुए करें। इससे न केवल संगठन मजबूत होगा, बल्कि जनता का विश्वास भी और अधिक सुदृढ़ होगा। नगर पंचायत अध्यक्ष बिस्कोहर अजय गुप्ता, जिला मंत्री भाजपा कृष्णा मिश्रा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्रवण गिरी, दीप नारायण तिवारी, राजेश पाण्डेय, शिवजी तिवारी, गोकरन पाठक, राम नरेश पासवान, कन्हैया विश्वकर्मा, अमित मिश्रा, सहजराम यादव, सुनील पाण्डेय सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर बाल श्रमिकों का किया गया रेस्क्यू, सेवायोजकों को जारी किया गया नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर शुक्रवार को प्रशासन द्वारा सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत श्रम विभाग, जिला टास्क फोर्स, एएचटी पुलिस, बाल संरक्षण अधिकारी, चाइल्ड लाइन तथा सम्बन्धित सामाजिक संगठनों की संयुक्त टीम ने नौगढ़ एवं उसका बाजार में छापेमारी कर बाल श्रमिकों को रेस्क्यू किया। अभियान के दौरान पकड़ी एवं उसका बाजार स्थित एचआर मार्का ईंट भट्ठों तथा नौगढ़ में होटल का निरीक्षण की गई। जिस पर नौगढ़ रेलवे क्रासिंग के पास ध छोले भटूरे की दूकान पर तीन नाबालिग बच्चे श्रम करते हुए पाये गये। टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया और उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। रेस्क्यू किये गये बच्चों से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि उन्हें कम मजदूरी, लम्बे समय तक कार्य तथा असुरक्षित परिस्थितियों में काम कराया जा रहा था, जो बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। कार्रवाई के दौरान बाल श्रमिकों से काम कराने वाले सेवायोजकों को नोटिस जारी किया गया है। वहीं सम्बन्धित प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे भविष्य में किसी भी परिस्थिति में बाल श्रम न कराएं। नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई, जुर्माना एवं अभियोजन की चेतावनी भी दी गई है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी ने बताया कि जिले में बाल श्रम के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं भी बाल श्रम होते हुए दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरन्त विभाग को दें। अभियान में मुख्य रूप से श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी, एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव, बाल संरक्षण अधिकारी विवेक मालवीय, चाइल्ड लाइन कोऑर्डिनेटर सुनील उपाध्याय, आरक्षी आशुतोष सिंह, आउटरीच कार्यकर्ता अविनाश सिंह, एचईडब्लू से सविता वर्मा, डिटीएफ मेम्बर जय प्रकाश गुप्ता, नीति आयोग से अभिनव द्विवेदी, पिरामल फाउण्डेशन से योगेन्द्र मोहन शामिल रहे।

एएसपी ने एसओ कपिलवस्तु सहित साइबर सेल पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एएसपी ने एसओ कपिलवस्तु सहित साइबर सेल पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आपको बता दें कि दिनांक 17.12.2025 को म्यूल खाता सं0–00000040548214309 से 1,07,03,720/– रूपये (एक करोड़ सात लाख तीन हजार सात सौ बीस रूपये) के ऑनलाइन फाइनेन्सियल फ्राड में सम्मिलित 05 नफर अभियुक्तों को मु0अ0सं0 85/2025 धारा 419, 420, 34, भा0द0वि0 व 66 (डी) आई0टी0 एक्ट थाना कपिलवस्तु को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सिद्धार्थनगर भेजा गया। वहीं उपरोक्त मुकदमें में 07 अदद मोबाइल फोन, 01 अदद मोटर साइकिल, 01 अदद मारूति स्वीफ्ट कार एवं नगद 98,200/– रूपये बरामद किये थे। जिसके क्रम में शुक्रवार को एसएसपी डॉ0 अभिषेक महाजन ने उक्त सराहनीय कार्य के लिए एसओ कपिलवस्तु की साइबर सेल पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएसपी ने बताया गया कि यह सम्मान हाल ही में थाना कपिलवस्तु पुलिस द्वारा एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का भण्डाफोड़ करने एवं एक करोड़ सात लाख रुपये से अधिक की ठगी के मामले में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने टीम को आगे भी इसी उत्साह से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साइबर अपराधों से बचाव हेतु जनता से अपील है कि संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें तथा किसी भी ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने पर सूचना दें। इस दौरान प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाले साइबर पुलिस टीम में एसओ कपिलवस्तु सन्तोष कुमार तिवारी, एसआई अखिलेश कुमार मिश्र, कांस्टेबल विनय यादव (कम्प्यूटर आपरेटर), कांस्टेबल राहुल यादव, कांस्टेबल आलोक यादव, महिला कांस्टेबल अनुपम सिंह उपस्थित रहीं।

भवानीगंज थाने में तैनात सिपाही के कार्य प्रणाली से क्षेत्रीय लोगों में काफी आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के थाना भवानीगंज में तैनात एक सिपाही के खिलाफ क्षेत्रीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आपको बता दें कि काफी समय से एक ही थाने में जमे सिपाही अनित वर्मा पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली, दबंगई जैसे गम्भीर आरोप लगाते हुए क्षेत्रीय लोगों ने भ्रष्ट सिपाही को तत्काल थाने से हटाने की मांग किया है। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि सिपाही अनीत कुमार वर्मा आये दिन लोगों को बेवजह परेशान करते रहते हैं और उनसे मनमानी पैसा वसूलते हैं। वह छोटी बड़ी किसी भी घटना की सूचना थाने के अधिकारियों तक नहीं पहुंचने देते हैं। पीड़ित जब भी कोई शिकायत पत्र लेकर थाने जाते हैं तो सिपाही उसे थाने बुलाने की बजाय अपने खास गुर्गों के ठिकानों पर बुलाते हैं और वहां अवैध रूप से पंचायत कर मामले को थाना स्तर तक पहुंचने से पहले ही रफा–दफा कर देते हैं। सिपाही अपने आप को थानाध्यक्ष का सबसे खास बता कर रौब झाड़ते हैं। वहीं सूत्र यह भी बताते हैं कि उक्त सिपाही का कुछ समाज विरोधी व आसामाजिक तत्वों के साथ उठना–बैठना व मिलना–जुलना है। क्षेत्रीय लोगो का यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर उक्त सिपाही द्वारा फर्जी मुकदमे में फसाने व जेल भेजने की धमकी दिया जाता है, जिससे क्षेत्र में भय व दहशत का माहौल बना हुआ है। सिपाही के इस प्रकार के कारनामे से विभाग व सरकार की छवि धूमिल हो रही है। आम आदमी का पुलिस प्रशासन से भरोसा उठ रहा है। लोगों द्वारा कई बार शिकायत हुई, मगर कोई ठोस व कारगर कार्यवाही नही हुई। क्षेत्रीय लोगों द्वारा डीएम, एसपी, डीआईजी, डीजीपी व मुख्यमंत्री उ0प्र0 आदि को ट्यूट कर कार्यवाही की मांग किया है। लोगों का यह भी कहना है कि यदि शीघ्र उक्त सिपाही अनीत कुमार वर्मा का यहां से कही अन्यत्र स्थानान्तरण नही हुआ तो बड़े पैमाने पर आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। इस सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को फोन करने पर उनका फोन नही उठा।

सम्पादकीय

गरीबी, भूख और बेरोजगारी से जूझ रहा पाकिस्तान

2025 की एक रिपोर्ट में पाकिस्तान को जी डी पी के आधार पर 50 वां सबसे गरीब देश बताया गया था। अन्य रिपोर्टों में इसे दुनिया के सबसे गरीब देशों की सूची में शामिल किया गया है, जहाँ प्रति व्यक्ति आय कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान एक गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा है, जहां 79 लाख लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं । देश में कुपोषण की दर बहुत ...

हमें और आपको गर्व होना चाहिए कि हम भारत के नागरिक हैं। .ढ़ प्रतिज्ञा वाले और सशक्त रीढ़ के नेता श्रद्धेय माननीय नरेंद्र मोदी जी हमारे देश भारत के प्रधानमंत्री हैं। हम एक सशक्त लोकतंत्र के नागरिक हैं और हमारा देश अपनी सकारात्मक सोच के कारण चहुंमुखी विकास के पथ पर अग्रसर है। वहीं पाकिस्तान की तस्वीर भयावह है। पाकिस्तान में बेरोज़गारी दर बढ़कर 7.1 प्रतिशत हुई। जबकि भारत में गत वर्ष 2025 के सितंबर माह तक भारत की बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत से घटकर 5. 1 प्रतिशत शहरी बेरोजगारी दर 7.2 प्रतिशत से घटकर 6.7 प्रतिशत थी। इन दिनों पाकिस्तान में बेरोज़गार लोगों की संख्या 1 करोड़ से अधिक है। इसे दर बढ़कर सात दशमलव एक प्रतिशत से बढ़ा हुआ देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा किए गए नवीनतम श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 24 करोड़ की आबादी में श्रम बल सात करोड़ 72 लाख तक पहुंच गया है। वहीं अपना देश भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। पाकिस्तान में दूध की कीमतें काफी ऊंची हैं और महंगाई के कारण लगातार बदलती रहती हैं, लेकिन हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कराची जैसे शहरों में खुला दूध ध्210 से ध्370 प्रति लीटर तक बिक रहा है। (अल्ट्रा–हाई टेम्परेचर) पैक किया हुआ दूध ध्370 प्रति लीटर या उससे भी अधिक हो सकता है, और यह कीमतें फ्रांस और नीदरलैंड्स जैसे देशों से भी ज्यादा हो चुकी हैं। जबकि पाकिस्तान में प्योर लाइफ वाटर 1 लीटर की कीमत 40 रुपये है। तथ्य है कि पाकिस्तान गरीबी के कई सूचकांकों में निचले पायदान पर है, जैसे बहुआयामी गरीबी में भारत के बाद दूसरा सबसे अधिक लोग (93 मिलियन) रहते हैं, और विश्व बैंक के अनुसार 2025 तक लगभग 45ः आबादी गरीबी रेखा के नीचे है, जबकि हालिया आंकड़ों के अनुसार जीडीपी प्रति व्यक्ति आय के आधार पर यह दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है, अक्सर टॉप 10 या टॉप 20 में आता है। 2025 की एक रिपोर्ट में पाकिस्तान को जी डी पी के आधार पर 50 वां सबसे गरीब देश बताया गया था। अन्य रिपोर्टों में इसे दुनिया के सबसे गरीब देशों की सूची में शामिल किया गया है, जहाँ प्रति व्यक्ति आय कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान एक गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा है, जहां 79 लाख लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं । देश में कुपोषण की दर बहुत अधिक है। 18 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं और 40 प्रतिशत बच्चों का विकास रुका हुआ है। जबकि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्म निर्भर है। देश के लोगों को खाद्यान्न सुरक्षा मुहैया कराना हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रतिबद्धता है। इसी के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वारा सभी के पास आवास भी है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

ठंड में हम न नहाएं, कहे चाहे सारा संसार

सर्दियों में रोज नहाने से जहां एक ओर सर्दियों में भी शहर में पानी का संकट खड़ा होने की पूरी–पूरी संभावना होती है, वहीं दूसरी ओर सर्दियों में रोज मेरे जैसों के नहाने पर फिट से फिट जीव की भी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। मित्रो! तुम जानो या नहीं, पर मैं अच्छी तरह जानता हूं कि सर्दियों में रोज नहाने से जहां एक ओर सर्दियों में भी शहर में पानी का संकट खड़ा होने की पूरी–पूरी संभावना होती है, वहीं दूसरी ओर सर्दियों में रोज मेरे जैसों के नहाने पर फिट से फिट जीव की भी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। रोज नहाने के इतने नुकसान होने के बाद भी एक मेरे घरवाले हैं कि मेरे इस वैज्ञानिक तथ्यों पर आध ाारित चिंतन को मसखरों का चिंतन मान मुझे हर सुबह नहाने के लिए गुसलखाने में घुसाने के लिए पूरा जोर लगाए रहते हैं। मैं जानता हूं कि मेरे जैसे त्यागी, तपस्वी, कर्तव्यनिष्ठ, कुशल, योग्य, ईमानदार कर्मचारी के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाध ाा जो कोई होता है तो वह केवल और केवल धर्म ही होता है। धर्म मेरे जैसे जीव को रिश्वत लेने में गतिरोध पैदा करता है। मैं अपने जीवन में हर धार्मिक गतिरोध ा सहन कर सकता हूं, पर रिश्वत लेने के गतिरोध को कदापि सहन नहीं कर सकता। मित्रो! मेरे फैमिली डॉक्टर का खुले चौलेंज के साथ कहना है कि सर्दियों में रोज नहाने से किसी और पर बुरा असर पड़े या न पर पाचन तंत्र पर बहुत असर पड़ता है। रोज रोज नहाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। और मुझे अपने पाचन तंत्र से प्रिय कोई नहीं। मेरा पाचन तंत्र स्वस्थ तो मैं बिल्कुल स्वस्थ। मुझसे पहले के रिटायरी कह गए हैं कि सरकारी पद पर होने वाले का और कुछ मजबूत हो या न, पर पाचन तंत्र मजबूत होना चाहिए ताकि उसे कुछ भी खाकर बदहजमी न हो। मित्रो! सर्दियों में नहाएं रोज वे जिन्हें कठोर मेहनत भरा काम करना है। धूल–मिट्टी में काम करना है। मुझे तो केवल ऑफिस में जा कुर्सी तोड़नी है। सुबह बारह बजे गिरते–पड़ते ऑफिस पहुंचे, दो चार बार चाय–शाय पी, कुर्सी पर कभी इस ओर पलटे तो कभी उस ओर। जब कुर्सी पर दाएं–बाएं पलटते–पलटते थक गए तो आसपास के कमरे में आज की ताजा खबरें सुनने को हो लिए। कोई काम करवाने आ ही गया तो उसे लताड़ हड़का दिया। ऐसे ही लंच हो गया। लंच में घर से लाया लजीज लंच रगड़ा और फिर धूप सेंकने हो लिए अपने कमरे से बाहर। बंधुओ! अजीब डायरेक्शन है मेरी कुर्सी की भी! सर्दियों में अपनी कुर्सी के पास धूप पांच बजे के बाद आती है। अब हीटर भी कितना सेंका जाए? मोटी चमड़ी में खुश्की के साथ खुजली भी होने लग जाती है। और जब गर्मियों में धूप की कतई जरूरत नहीं होती तो मेरे ऑफिस में आने से पहले ही मेरी कुर्सी हीटर की तरह गर्म हुई रहती है। कई बार सूरज से कहा भी कि यार! ऑफिस का सीनियर मोस्ट बंदा हूं। कम से कम मेरी कुर्सी पर धूप का ख्याल तो रख ले, पर वह भी मेरी तरह इस कान से सुनता है उस कान से निकाल देता है। कोई बात नहीं! जिस दिन मेरे गेड़े में आएगा, उस दिन उसे भी देख लूंगा।

तमिल जन आकांक्षाओं के विजयी सेनापति

जहां तक तमिलनाडु में फिल्म सितारों के राजनीतिक वर्चस्व का सवाल है तो मशहूर अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने एआईएडीएमके बनाई और एक दशक तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। फिर चर्चित अभिनेत्री जयललिता भी इसी पार्टी में शामिल होकर पहली बार 1991 में मुख्यमंत्री बनीं। वहीं दूसरी ओर अभिनेता कमल हासन भी वर्ष 2018 में मक्कल `नीधि मय्यम पार्टी' बना चुके हैं। लगता है कि इस कड़ी में नया नाम थलपति विजय का...

कुछ लोग उन्हें दक्षिण का एंग्री यंगमैन बता रहे हैं, तो कुछ राजनीति के जरिये सामाजिक–सांस्कृतिक उद्धार करने वाला सेनापति। दक्षिण भारत में फिल्मों से राजनीति में वर्चस्व करने वालों की कड़ी में एक और नाम जुड़ने जा रहा है सुपर स्टार विजय का। राजनीति में किस्मत आजमाने के लिए उन्होंने फिलहाल फिल्मों से किनारा कर लिया है। हिट थलपति–69 को उनकी आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। इसी वजह से अब उन्हें थलपति विजय का नाम दिया जा रहा है। दरअसल, थलपति का तमिल में मतलब सेनापति होता है। उन्होंने बाकायदा पार्टी का झंडा व चिन्ह भी लॉन्च किया है और अब उनकी पार्टी टीवीके को चुनाव आयोग से मान्यता भी मिल गई है। कहा जा रहा है कि इस साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी भागीदारी बड़ा राजनीतिक उलट फेर कर सकती है। उनकी सभाओं में जुटने वाली लाखों की भीड़ कम से कम यही इशारा कर रही है। बहरहाल, आज विजय महज फिल्म स्टार भर नहीं हैं, उन्हें तमिलनाडु के सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य में बदलाव के वाहक के रूप में देखा जा रहा है। उनके चाहने वालों में सिर्फ फिल्म प्रेमी ही नहीं हैं, बल्कि वे युवा भी हैं जो बेहतर रोजगार की स्थिति, साफ–सुथरी राजनीति और तमिल अस्मिता की रक्षा की आकांक्षा रखते हैं। वे सभाओं में कहते हैं कि हम बांटने वाली राजनीति के खिलाफ हैं। वे द्रविड़ राजनीति के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों की निंदा करते हैं। वे एक परिवार पर राज्य को लूटने का आरोप लगाते हैं। वे कहते हैं कि हम द्रविड़ राष्ट्रवाद और तमिल राष्ट्रवाद को अलग नहीं करेंगे। पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए वे कहते हैं कि पार्टी की सोच धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय विचारधारा पर टिकी होगी। उनका कहना है कि उनकी पार्टी संत पेरियर के बताये रास्ते पर चलेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य स्त्री सशक्तीकरण और सामाजिक न्याय रहा है। यद्यपि उन्होंने पेरियर के नास्तिकता से जुड़े सिद्धांत से असहमति जतायी है। दरअसल, विजय के इस अभियान से जुड़ने वाले सिर्फ उनके फिल्मों के प्रशंसक ही नहीं हैं। दरअसल, युवा उन्हें बदलाव के वाहक नायक के रूप में देख रहे हैं। युवा उन्हें अपनी आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि विजय उनके मन की बात कर रहे हैं। दरअसल, विजय की फिल्मों का नायक एक ऐसा यंग एंग्रीमैन होता है जो सिस्टम की विसंगतियों के खिलाफ विद्रोह करता है। जैसा कभी हिंदी फिल्मों में सत्तर के दशक में अमिताभ बच्चन करते दिखाई देते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम यह रहा है कि सिनेमाघर में बोला गया उनका हर संवाद सड़कों पर नारे की शक्ल में आता रहा है। यही वजह है कि आज उन्हें थलपति विजय के नाम से संबोधित किया जा रहा है, जो युवा मनोविज्ञान का प्रतिनिधि चेहरा बन गया है। दरअसल, अन्य राज्यों की तरह ही तमिलनाडु का युवा समकालीन विसंगतियों से जूझ रहा है। इसमें– बेरोजगारी का संत्रास है, प्रतियोगिता परीक्षाओं की हताशा है, गैर–बराबरी बढ़ाने वाला विकास है तो तमिलनाडु के राजनेताओं से मोहभंग की स्थिति भी है। यही वजह है कि विजय की घोषणाएं युवाओं को लुभाती हैं और उन्हें विश्वास है कि विजय फिल्मों में निभाए किरदार जैसी भूमिका से समाज में बदलाव ला सकते हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के प्रति जुनून का पुराना इतिहास रहा है। मौजूदा सोशल मीडिया के दौर में वे हर प्लेट फॉर्म में छाए हुए हैं। अब चाहे रील्स हों, मीम्स हों या वायरल संवाद, वे हर जगह नजर आते हैं। आज की एक हकीकत यह भी है कि यह ऑनलाइन लोकप्रियता अब हकीकत में भी नजर आने लगी है। दरअसल, इस साल होने वाले विध ाानसभा चुनाव के लिये थलपति विजय कमर कसकर आए हैं। निश्चित रूप से 2026 में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव खासा रोचक होने जा रहा है। माना जा रहा है कि वे राज्य में डीएमके व एआईडीएमके के वर्चस्व को कड़ी चुनौती देने जा रहे हैं। वे एक सधे राजनेता की तरह बात करते हैं। वे राज्य में दो भाषाओं के समर्थक हैं– यानी सरकारी कामकाज में तमिल व अंग्रेजी का उपयोग। वे जातिगत जनगणना के पक्षधर हैं। साथ ही भविष्य में किसी राजनीतिक गठबंधन से भी इनकार नहीं करते हैं। बहरहाल, विजय आज तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त कर रहे हैं कि राज्य में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक बदलाव के लिये उन्होंने फिल्में छोड़ दी हैं। राजनीति में आने पर वे सिर्फ समाजसेवा करेंगे। बहरहाल, अब दक्षिण भारत में एमजी रामचंद्रन, जयललिता, विजयकांत, एनटी रामाराव व कमल हासन व पवन कल्याण जैसे सुपरस्टारों की राजनीतिक कामयाबी में थलपति विजय का नाम भी जुड़ने जा रहा है। पवन कल्याण आंध्र की राजनीति में कमाल करके उप–मुख्यमंत्री बने हुए हैं। उन्होंने जन सेना नामक राजनीतिक दल बनाया। वे एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़े थे। वे राजनीतिक दल बनाने वाले प्रसिद्ध एक्टर चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। चिरंजीवी ने भी प्रजा राज्यम पार्टी बनायी थी। कालांतर वे राज्यसभा सदस्य व केंद्रीय मंत्री भी बने।

अज्ञानता को हथियार बनाने के प्रयासों का हो विरोध

{ एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर होने के बावजूद, मैं युवाओं से वार्तालाप करता हूं, और उनकी दुविधाओं, चिंताओं और उलझनों को समझता हूं। और मुझे उनके साथ दूसरी कहानियां साझा करना पसंद है– बेशक, तय पाठ्यक्रम से इतर। लोगों के दिलों में अच्छाई जगाने, सांप्रदायिक हिंसा से लड़ने, और प्यार, सहानुभूति और अलग–अलग धर्मों में परस्पर संवाद का संदेश फैलाने... }

शिक्षक इस तरह से शिक्षा दें कि शिक्षार्थी में रचनात्मकता बढ़े। उसकी आकांक्षाएं एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील मूल्यों के प्रति विकसित हों। आशा के शिक्षाशास्त्र के जरिये ही नई पीढ़ी अपनी सोच व प्रयासों से बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में प्रेरित होगी। शिक्षा मूलतरू जाग्रत बुद्धि के बारे में है।

इस भयानक रूप से विषैली, हिंसक और ध्रुवीकृत दुनिया में, किसी के लिए हमारे मौजूदा समय का चरित्र बन चुकी सर्वव्यापी नकारात्मकता से बहक जाना आसान है। फिर भी, एक शिक्षक के रूप में, मुझे लगता है कि हमें हार नहीं माननी चाहिए, और हमें आशा के बीज बोने चाहिए और नई पीढ़ी को एक बेहतर दुनिया की कल्पना करने और उसके लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

मैं शिक्षण समुदाय से हार्दिक प्रार्थना के साथ नए साल की शुरुआत में अपील करता हूं रू आशा के शिक्षाशास्त्र को कक्षा की गतिशीलता में बदलने दें, शिक्षा के उद्देश्य को फिर से परिभाषित करें और आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक कल्पना, सहानुभूति और प्रेम की शक्ति को सक्रिय करें। हालांकि, यह स्वीकार करना जरूरी है कि समकालीन छात्रों और शिक्षकों में जो निराशा हम देख रहे हैं, वह अक्सर किसी न किसी प्रकार की सनकी व्यावहारिकता के रूप में प्रकट होती है। जैसे–जैसे नवउदारवाद का बाजार–संचालितध् उपकरणवादी तर्क शिक्षा को एक उच्च और महान उद्देश्य से वंचित कर रहा है, और इसे आर्थिक उत्पादकता के लिए मात्र एक तकनीकी कौशल में बदल रहा है, कई युवा सामाजिक डार्विनवाद या अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को एक नए गुण के रूप में, पैसे को नए भगवान के रूप में, और अहंकारी गर्व को रुतबे के प्रतीक के तौर पर देखने लगे हैं। उनके आंतरिक जगत में कोई फूल नहीं खिलतायवे शायद ही कभी गांधी और मार्क्स से संवाद करते हैंय और उनके पास समानता, पारिस्थितिकी, शांति एवं न्याय के लिए संघर्ष करने के वास्ते कोई 'फालतू' समय नहीं। इस प्रकार की व्यावहारिकता का मतलब है एक नई दुनिया में आशा की अनुपस्थिति।

इसी तरह, अति–राष्ट्रवाद की संस्कृति कई शिक्षकों के बीच ऐसी व्यावहारिकता को और तेज करती है। जैसे–जैसे डिजिटल निगरानी सामान्य होती जाती है, हमारे कॉलेजों–विश्वविद्यालयों में कई शिक्षकों को लगता है कि उन पर लगातार नजर रखी जा रही है और निगरानी में हैं। और संभवतः, ऐसा डर उन्हें इसके प्रति बेहद सतर्क कर देता है कि वे क्या पढ़ा सकते हैं, क्या बोल सकते हैं और क्या लिख सकते हैं। जैसे–जैसे अति–राष्ट्रवाद के विमर्श द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र का उपनिवेशीकरण शिक्षा को उसकी स्वतंत्रतावादी क्षमता से वंचित कर रहा है, शिक्षकों का एक ऐसा बड़ा वर्ग पैदा होना असंभव नहीं है जो चुप रहना पसंद करे, या व्यवस्था के प्रति वफादारी दिखाने के लिए अति उत्साही हो जाए। इसलिए, यह हैरानी की बात नहीं है कि ऐसे 'व्यावहारिक' शिक्षक अपने छात्रों में एक नई कल्पना, या प्रतिरोध ा की भाषा जगाने में विफल रहते हैं। यहां पर, एक ऐसी दुनिया है जो युद्ध, अधिनायकवाद और जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। फिर भी, हमारे कॉलेज और विश्वविद्यालय 'रैंकिंग' की आकांक्षा, और 'प्लेसमेंट और सैलरी पैकेज' की बातों से परे कुछ भी देखने से इनकार करते हैं।

इसलिए, सवाल उठता है रू मैं जिस उम्मीद के शिक्षाशास्त्र की बात कर रहा हूं, वह क्या है? और क्या यह सच में मुमकिन है? यहां साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह कोई खोखला आदर्श या काल्पनिक खुशफहमी नहीं । आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के बिना इसे बढ़ावा देना नामुमकिन है रू यह उस तरह की शिक्षा है जो युवा शिक्षार्थी को अपना रचनात्मक गुण वापस पाने और उन चीजों पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील दुनिया की संभावना को नुकसान पहुंचाती हों। यह समझने और गहराई से सिद्धांत बनाने जैसा है, मसलन, चरम–राष्ट्रवाद की आक्रामकता जो युद्ध, नरसंहार, सशस्त्र विद्रोह, आतंकवाद और ध ार्मिक कट्टरपंथ का कारण बनती हैय आध ुनिक तकनीक चालित पूंजीवाद के तर्क में छिपा लालच जो हर चीज को –चाहे वह पेड़, नदी, जंगल हो या पहाड़– उसे निरंतर 'संवृद्धि' और 'विकास' की खातिर सिर्फ एक 'संसाधन' में बदल देता है, और जलवायु आपदा की भयानक स्थितियों की ओर ले जाता हैय और सबसे बढ़कर है, अरबपति प्रौद्योगिकीवादी और नव–फासीवादियों का अपवित्र गठबंधन जो लोकतंत्र की भावना खत्म कर रहा है। इसके अलावा, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र का अर्थ है कि शिक्षा को सिर्फ एक तकनीकी कौशल तक सीमित नहीं किया जा सकताय इसकी बजाय यह जाग्रत समझ के बारे में है, या वह, जिसे हेनरी गिरौक्स दृजो बेहतरीन शिक्षाविदों में से एक हैं – ने जानकारी से युक्त एवं राजनीतिक रूप से जागरूक लोकतांत्रिक नागरिकों को तैयार करने हेतु एक परिवर्तनकारी औजार के रूप में बताया है। अज्ञानता को हथियार बनाने का विरोध करने का यही एकमात्र तरीका है। आलोचनात्मक चिंतन के अलावा, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र को कुछ और भी चाहिए। वो है सीखने का ऐसा तरीका जो सीखने वाले हर युवा की छिपी हुई क्षमता को जगाए – यानी एक नई दुनिया का सपना देखने की हिम्मतय ज्ञान और आचार को जोड़ने, सोच और भावना, और विज्ञान और सौंदर्यशास्त्र को एक साथ लाने की इच्छा।

पब्लिक हॉस्पिटल भानपुर बेहतर सुविधाओं के साथ बना क्षेत्र का भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती/भानपुर। ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्र के मरीजों को सस्ती, सुलभ और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पब्लिक हॉस्पिटल भानपुर आज क्षेत्र का एक प्रमुख और भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बनकर उभरा है। आधुनिक चिकित्सा संसाधनों, अनुभवी चिकित्सकों की टीम और सेवाभाव की भावना के साथ यह हॉस्पिटल आसपास के इलाकों के लोगों के लिए उपचार का मुख्य केन्द्रबिंदु बनता जा रहा है। हॉस्पिटल के संचालक मनोज सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पब्लिक हॉस्पिटल में फिजिशियन डॉ. शिव कुमार द्वारा सामान्य बीमारियों के साथ–साथ जटिल रोगों का भी प्रभावी उपचार किया जाता है। वहीं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सबीना महिलाओं से जुड़ी सभी समस्याओं, गर्भावस्था की नियमित जांच, सुरक्षित प्रसव और उचित परामर्श की सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए एनआईसीयू की सुविधा भी हॉस्पिटल में उपलब्ध है, जिससे गंभीर स्थिति में जन्म लेने वाले शिशुओं को तत्काल बेहतर इलाज मिल सके। मनोज सिंह ने बताया कि पब्लिक हॉस्पिटल का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि मानव सेवा है। इसी सोच के तहत गरीब, असहाय और जरूरतमंद मरीजों तथा उनके परिजनों के लिए हॉस्पिटल परिसर में रहने और खाने की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि इलाज के दौरान उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। हॉस्पिटल में अनावश्यक सिजेरियन से बचते हुए अधिक से अधिक नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दी जाती है। आवश्यकता पड़ने पर पूरी सुरक्षा और आधुनिक संसाधनों के साथ सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही मरीजों के लिए फ्री एम्बुलेंस सेवा भी प्रदान की जा रही है। पब्लिक हॉस्पिटल भानपुर में सभी प्रकार की पैथोलॉजी जांच, अल्ट्रासाउंड, ब्लड टेस्ट सहित अन्य आवश्यक जांच सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कम खर्च में बेहतर इलाज देकर पब्लिक हॉस्पिटल भानपुर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहचान बना चुका है और लगातार लोगों के विश्वास पर खरा उतर रहा है।

होम्योपैथी को वैज्ञानिक साक्ष्य और क्लिनिकल एविडेन्स से मिलेगी वैश्विक पहचान : डॉ0 भास्कर शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। होम्योपैथी केवल लक्षणों का उपचार नहीं, बल्कि रोगों को जड़ से मिटाने की क्षमता रखती है। लेकिन इसे वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय और सर्वमान्य बनाने के लिए हमें श्क्लिनिकल एविडेन्सश (नैदानिक साक्ष्य) और वैज्ञानिक शोध पर ध्यान केन्द्रित करना होगा।ष उक्त विचार शर्मा होम्योपैथिक चिकित्सालय एण्ड रिसर्च सेन्टर इटवा के चीफ कन्सलटेन्ट डॉ0 भास्कर शर्मा ने व्यक्त किया। डॉ0 भास्कर शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी उपचार की सफलता की पुष्टि केवल मरीज के कह देने मात्र से नहीं की जा सकती। 1. वैज्ञानिक .ष्टिकोण से साक्ष्य जुटाने के लिए – इलाज से पहले की पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट्स। उपचार के दौरान मरीज की केस हिस्ट्री और लक्षणों का विस्तृत विवरण। रोगमुक्त होने के बाद की अंतिम जांच रिपोर्ट। इन सभी का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है। डॉ0 शर्मा के मुताबिक यही विवरण वह ठोस सबूत हैं, जो होम्योपैथी के श्दमश को वैज्ञानिक कसौटी पर खरा साबित करते हैं। 2. श्24 कैरेट सोनेश जैसी शुद्धता के लिए पीयर–रिव्यू जरूरी – डॉ0 शर्मा ने चिकित्सकों का आह्वान किया कि वे अपने सफल विवरण का दस्तावेजीकरण करें और उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जरनल में प्रकाशित कराएं। उन्होंने कहा कि जब आपका शोध पत्र किसी जरनल में जाता है, तो विशेषज्ञ उसे कई पैमानों पर परखते हैं। इस प्रक्रिया के बाद आपकी उपलब्धि 24 कैरेट सोने जैसी खरी बन जाती है, जिसे पूरी दुनिया मान्यता देती है। 3. व्यक्तिगत उदाहरण से समझाया साक्ष्य का महत्व – उन्होंने किडनी स्टोन (पथरी) के एक मरीज का उदाहरण साझा करते हुए बताया कि मरीज के दर्द ठीक होने और पथरी निकलने के दावे के बावजूद, उन्होंने स्वयं के खर्च पर मरीज का दोबारा अल्ट्रासाउण्ड कराया। रिपोर्ट में पथरी न होने की पुष्टि होना ही वह वैज्ञानिक प्रमाण था, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। 4. डॉ0 भास्कर शर्मा की उपलब्धियां उल्लेखनीय – डॉ0 भास्कर शर्मा का शोध कार्य उनके छात्र जीवन से ही प्रारम्भ हो गया था। उनके अब तक 100 से अधिक शोध पत्र (रिसर्च पेपर्स) पबमेड (पबम्ड), स्कोपस (स्कोपस) और पीयर–रिव्यूड जैसे अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय जरनल में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके इस प्रयोगात्मक शोध कार्यों का लोहा आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी माना जाता है।

यातायात जागरूकता अभियान के तहत छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित कराने हेतु विभिन्न स्थानों पर व्यापक जन जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया।इसी क्रम में आज अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत,प्रशिक्षु आइपीएस प्रदीप कुमार तथा क्षेत्राधिकारी यातायात विनय कुमार सिंह द्वारा फखरुद्दीन अली इंटर कॉलेज, गोण्डा में पहुंचकर छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग,वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने,यातायात संकेतों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स को यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए एवं उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषद एवं यातायात पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत आज गुरुनानक चौराहे से गुड्डूमल चौराहा तक सड़क किनारे खड़े अवैध रूप से पार्क वाहनों, अवैध अतिक्रमण एवं ठेलों को हटवाया गया,जिससे यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके तथा आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।वहीं क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर, ब्लैक फिल्म एवं प्रेशर हॉर्न के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 04 वाहनों को सीज किया गया एवं अन्य वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

वाहनों में अवैध रूप से लगे हूटर,ब्लैक फिल्म तथा प्रेशर हॉर्न पर हुआ कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी.भारतीय एवं सीओ ट्रैफिक गोण्डा के निर्देशन में टी.आई. गोण्डा की उपस्थिति में गोण्डा.फैजाबाद रोड स्थित दर्जीकुआं चौराहे पर संचालित किया गया।अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहनों में अवैध रूप से लगे हूटर, ब्लैक फिल्म तथा प्रेशर हॉर्न के प्रयोग पर प्रभावी रोक लगाना तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था।अभियान के दौरान गोण्डा.फैजाबाद मार्ग से गुजरने वाले विभिन्न प्रकार के वाहनों की सघन जांच की गई।जांच के समय जिन वाहनों में हूटर, ब्लैक फिल्म अथवा प्रेशर हॉर्न का अवैध रूप से प्रयोग पाया गया, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गई। इस क्रम में कुल 17 वाहनों पर यूकेएटी अभियोग के अंतर्गत चालान की कार्यवाही की गई। संबंधित वाहन चालकों को नियमों का उल्लंघन न करने की सख्त हिदायत दी गई तथा भविष्य में ऐसे .त्य दोहराने पर कठोर कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई।अधिकारियों द्वारा वाहन चालकों को बताया गया कि हूटर, ब्लैक फिल्म और प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है।

अनावश्यक तेज आवाज वाले हॉर्न से आमजन, विशेषकर बुजुर्गों,बच्चों और रोगियों को परेशानी होती है। वहीं ब्लैक फिल्म के कारण वाहन के अंदर की गतिविधियां स्पष्ट नहीं दिखतीं,जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम उत्पन्न होते हैं।अभियान के दौरान सभी वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट के प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, ट्रैफिक सिग्नल का सम्मान करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि सड़क पर सुरक्षित यात्रा तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति यातायात नियमों का शत–प्रतिशत पालन करे।

अज्ञात कारणों से छप्पर के घर लगी आग,लाखों का नुकसान, प्रशासन ने मदद की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

कठेला/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र कठेला समयमाता अन्तर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत कठेला गर्वी टोला तेलियाडीह निवासी राम सुभग पुत्र रामेश्वर के छप्पर के घर में अचानक अज्ञात कारणों से आग लगने के कारण 10 बकरियों की जलकर मौत हो गई है। गांव के पड़ोसियों ने बाल्टी में पानी भर–भर किसी तरह आग पर काबू पाया। लेकिन छप्पर का घर होने के कारण भरभरा कर आग लगने से 8 से 10 बकरा–बकरी जलकर मौत हो गई। आपको बता दें कि पीड़ित राम सुभग अत्यन्त गरीब है। वहीं राम सुभग के मुताबिक छप्पर से लगे आगजनी में लगभग ढाई लाख से तीन लाख रुपए की बकरा–बकरी जलकर मरने से नुकसान हुआ है। इस सम्बन्ध में हल्का लेखपाल रणधीर यादव ने बताया कि मौके पर जाकर जांच करके तहसील पर रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई। वहीं गरीब पीड़ित राम सुभग ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग किया है।

थाना मुण्डेरवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 06 वारण्टियों को किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मुण्डेरवा पुलिस ने गुरुवार 08 जनवरी 2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए 06 वारण्टियों को गिरतार कर माननीय न्यायालय भेजा। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बस्ती के आदेश पर, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकान्त के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप सिंह यादव के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, सभी गिरतार आरोपी विभिन्न मुकदमों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। न्यायालय से जारी वारण्टों के अनुपालन में पुलिस टीम ने अलग–अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है और अपराधियों में भय का माहौल बना है।

प्रशिक्षक पुलिस बल के भविष्य का निर्माण करते हैं : एसएसपी डा0 अभिषेक महाजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन ने शुक्रवार को पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाये जाने के उद्देश्य से ट्रेनिंग दे रहे प्रशिक्षकों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन एवं समय पालन पर विशेष बल देते हुए कहा गया कि प्रशिक्षक पुलिस बल के भविष्य का निर्माण करते हैं। उनके द्वारा दिया गया प्रशिक्षण पुलिसकर्मियों के कार्य–व्यवहार, पेशेवर दक्षता एवं कानून व्यवस्था को सु.ढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एसएसपी डॉ0 अभिषेक महाजन ने निर्देशित किया कि प्रशिक्षण के दौरान नवीनतम कानूनों, आधुनिक पुलिसिंग, साइबर अपराध, महिला एवं बाल अपराध, मानवाधिकार तथा जनसंवेदनशील पुलिसिंग जैसे विषयों को विशेष रूप से शामिल किया जायें। साथ ही व्यवहारिक प्रशिक्षण, ड्रिल एवं फील्ड आधारित अभ्यास पर भी जोर देने के निर्देश दिये गये। बैठक में प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण से सम्बन्धित अपने अनुभव, सुझाव एवं समस्याएं साझा की गईं, जिन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा गम्भीरतापूर्वक विचार करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये गये। अन्त में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रशिक्षकों से अपेक्षा की कि वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण कार्य को सम्पादित करें।इसी दौरान गणतन्त्र दिवस के .ष्टिगत पुलिस लाइन सिद्धार्थनगर में हो रही तैयारियों का जायजा लिया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान व लाइन के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

पुलिस ने महिला अपराध व उससे बचाव, नये कानून तथा साइबर अपराध सुरक्षा के बारें में किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा षमहिला सशक्तिकरण, एन्टी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानष के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष ढेबरुआ नरायन लाल श्रीवास्तवष के कुशल नेतृत्व में शुक्रवार को थाना ढेबरुआ मिशन शक्ति टी द्वारा थाना क्षेत्र के पं0 बाबूराम शुक्ल विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज तुलसियापुर में जाकर छात्र/छात्राओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व नये कानून के बारें में जागरुक किया गया। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे बालिकाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर–112, पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108, एम्बुलेंस सेवा, 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन, 102, स्वास्थ्य सेवा के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान ढेबरुआ मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक कुंजबिहारी तिवारी, उप निरीक्षक सोमनाथ शर्मा, हेड कांस्टेबल अमरेश पाण्डेय, महिला आरक्षी मीरा रानी, महिला आरक्षी श्रद्धा त्रिपाठी मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति टीम ने एकडेंगवा भावपूर गांव में महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानष के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह निर्देशन में शुक्रवार को थाना क्षेत्र ग्राम एकडेंगवा भावपूर में बहु–बेटी सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं/बालिकाओं को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें मे जानकारी दी गयी। दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला सम्बन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशामन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर नये कानून के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान थाना शोहरतगढ़ मिशन शक्ति टीम में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, आरक्षी पवन मौर्य, महिला आरक्षी उर्मिला देवी, महिला आरक्षी शोभा भारती, महिला आरक्षी अंबिका मौजूद रहीं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मनोज एंव चांदनी चौधरी की मुलाकात से सपा में सियासी भूचाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती/लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से रुधौली विधानसभा क्षेत्र के पिपरपतिया निवासी एवं प्रभावशाली व्यवसायी मनोज चौधरी और उनकी पत्नी चांदनी चौधरी की लखनऊ में हुई मुलाकात ने सपा के अंदर ही सियासी हलचल तेज कर दी है। इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि रुधौली विधानसभा सीट को लेकर बड़े राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो चांदनी चौधरी लंबे समय से रुधौली विधानसभा क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और खुद को विधानसभा प्रत्याशी के रूप में स्थापित करने की तैयारी में जुटी हुई हैं। ऐसे समय में सीधे पार्टी मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में टिकट परिवर्तन की चर्चाओं को हवा दे दी है।

गौरतलब है कि फिलहाल रुधौली विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के राजेन्द्र प्रसाद चौधरी विधायक हैं। लेकिन क्षेत्र में बढ़ती नाराजगी, संगठनात्मक असंतोष और नए चेहरे की चर्चा के बीच चांदनी चौधरी की सक्रियता को मौजूदा विधायक के लिए सियासी चुनौती माना जा रहा है। हालांकि इस मुलाकात को लेकर पार्टी स्तर पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन सपा के अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में रुधौली विधानसभा को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। यही वजह है कि इस मुलाकात के बाद रुधौली से लेकर लखनऊ तक राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। अब बड़ा सवाल यही है . क्या रुधौली में सपा का चेहरा बदलेगा? क्या अखिलेश यादव नए राजनीतिक समीकरण गढ़ने की तैयारी में हैं? इन सवालों के जवाब आने वाले समय में रुधौली की सियासत की दिशा और दशा तय करेंगे।

मध्यान्ह भोजन योजना का ग्यारह करोड़ से अधिक सरकारी धन का गबन

02 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। दिनांक 26.11.2025 को शुभम शुक्ला जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद बलरामपुर की जांचोपरान्त तहरीर दिया गया कि विपक्षीगण द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना (डीसी एमडीएम) द्वारा कई व्यक्तियों के साथ दुरभिसंधि कर सरकारी दस्तावेजों में कूटरचना करते हुये प्रथम दृष्टया ग्यारह करोड़ से अधिक सरकारी धन का गबन करने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 297/2025 धारा 409, 467, 468, 471,120(ठ), 201 भा0द0वि0 बनाम पूर्व में गिफ्तार डीसी एमडीएम फिरोज अहमद खान आदि 45 नफर पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना का ग्यारह करोड़ से अधिक सरकारी धन का गबन करने की घटना कारित करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये निर्देश क्रम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह थाना को0 नगर टीम के कुशल नेतृत्व में–आज दिनांक 9.1.2026 को थाना स्थानीय पर

पंजिकृत मुअसं0 297/2025 धारा 409,467 468, 471,120(ठ),201 भा0द0वि0 से संबंधित शेष अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा मिलने के संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी कि मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त नूरुल हसन खान पुत्र करम हुसैन खान निवासी त्रिकोलिया थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर व गुलाम गौसुल बरा पुत्र अब्दुल रशीद निवासी गुलरिहा थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर को बिजलीपुर बाईपास से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना किया जा रहा है। विदित है कि उपरोक्त प्रकरण में 07 अभियुक्तों (1. फिरोज अहमद पुत्र जहीउद्दीन निवासी बरगदवा सैफ थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर 2. अशोक कुमार गुप्ता पुत्र बाबूलाल गुप्ता निवासी बलुआ बलुई थाना को0 देहात जनपद बलरामपुर 3. नसीम अहमद पुत्र लाल मोहम्मद निवासी चयपुरवा थाना गैसड़ी जनपद बलरामपुर 4. मो0 अहमदुल कादरी पुत्र मो0 हफीजुल्ला नईमी निवासी मध्यनगर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर 5. मलिक मुन्नवर पुत्र मलिक भिखुल्लाह निवासी धुसवा पो0 इटईरामपुर थाना गैड़ास बुजुर्ग जनपद बलरामपुर 6.साहेबराम पुत्र कन्हैया यादव निवासी हरिहर नगर थाना महराजगंज तराई जनपद बलरामपुर 7.दानिश पुत्र मोबीन निवासी महराजगंज तराई थाना महराजगंज तराई जनपद बलरामपुर) की पूर्व में भी गिरफ्तारी हो चुकी है। पूछताछ का विवरण– अभियुक्त नूरल हसन खां, गुलाम गौसुल बरा ने पूछताछ में बताया की हम दोनों लोग फिरोज अहमद खां जिला समन्वयक, मध्यान्ह भोजन योजना (डीसी एनडीएम) बलरामपुर के साथ मिलकर बेसिक शिक्षा विभाग के आई०वी०आर०एस० पोर्टल से विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या को ज्ञात करके छात्रों की संख्या के सापेक्ष शासन द्वारा निर्धारित कन्वर्जन कास्ट के गुणान्क में धनराशि की गणना कर एक्सल सीट तैयार की जाती थी तथा बी०एस०ए० से अग्रसारित कराकर वित्त लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा से परीक्षित कराकर स्वीकृति हेतु जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की जाती थी।एक्सल सीट को जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित कर दिये जाने के उपरान्त उस एक्सल सीट को पी०एफ०एम०एस० पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाना चाहिए, ताकि एक्सल सीट पर अंकित धनराशि विद्यालयों के खाते में पहुँच जाय, परन्तु इस स्तर पर मूल एक्सल सीट को अपलोड न करके अपने सहयोगी विद्यालयों के खातों में अंकित धनराशि को बढ़ाकर उसी बढ़ायी हुयी धनराशि के सापेक्ष धनराशि अन्य विद्यालयों के खातों से कम कर दी जाती थी, जिससे जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित धनराशि में कोई अंतर नहीं आता था। इस प्रकार कूट रचना के फलस्वरूप जिन विद्यालयों में धनराशि बढ़ाकर भेजी जाती थी, उन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, ग्राम प्रधान व अभिभावक समिति के अध्यक्ष द्वारा धनराशि को निकालकर आपस में बांट लिया जाता था। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता 1.नूरुल हसन खान पुत्र करम हुसैन खान उम्र 43 वर्ष नि0 त्रिकोलिया थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर 2. गुलाम गौसुल बरा पुत्र अब्दुल रशीद उम्र 42 वर्ष नि0 ग्राम गुलरिहा थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर।

देहात इंडिया:ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। देहात इंडिया बलरामपुर के तत्वाधान मे ब्लॉक बलरामपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत भीखपुर में एकत्रित होकर बाल विवाह,बालश्रम एवं मानव तस्करी, साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना

पंचायत भवन में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों से जुड़े मुद्दों बाल संरक्षण, सरकारी योजनाओं,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 नंबर की जानकारी,ड्रॉप आउट बच्चों की स्थिति एवं शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। देहात संस्था के प्रोग्राम एसोसिएट शालिनी देवी ने बताया कि इस बैठक का मूल उद्देश्य सभी हितधारकों को एक मंच पर है तथा निराकरण भी निकलना है। हमें ऐसे बालहित समाज का निर्माण करना है जिसमे बच्चों के अधिकार सुनिश्चित हो पाए और बच्चा जिम्मेदार नागरिक बने। तत्पश्चात हितधारकों द्वारा संवाद स्थापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। देहात संस्था से शालिनी देवी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनुराग भारती आशा, अनीता देवी आंगनबाड़ी किरण कुमारी ग्रामवासी, अभिभावक महिलाएं, बच्चे, आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका कार्यालय का औचक निरीक्षण

कर प्रणाली, स्वच्छता एवं डिजिटल सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा नगर पालिका कार्यालय का औचक

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका के विभिन्न पटलों का अवलोकन करते हुए वहां संचालित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं का परीक्षण किया तथा निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं शीघ्र एवं पूर्ण रूप से अद्यतन की जाएं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। कर व्यवस्था को सरल बनाने के निर्देश– नगर क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी ने जल कर, भवन कर आदि को एकीकृत करते हुए सिंगल आईडी प्रणाली लागू किए जाने के निर्देश दिए, जिससे सभी करों का भुगतान एक ही माध्यम से किया जा सके। उन्होंने नगर पालिका के समस्त कलेक्शन कार्यों को कैशलेस करते हुए ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि वित्तीय पारदर्शिता एवं सुगमता सुनिश्चित हो सके। स्वच्छता एवं कर्मचारियों की सुरक्षा पर जोर– जिलाधिकारी ने सभी सफाई कर्मियों को पीपीई किट उपलब्ध कराने तथा बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किए जाने के निर्देश दिए। ड्रेनेज एवं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधार के निर्देश– नगर क्षेत्र के मेजर नालों पर कैचमेंट विकसित कर उन्हें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से जोड़े जाने के निर्देश दिए गए, जिससे अपशिष्ट जल का समुचित निस्तारण सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने नगर की समस्त स्ट्रीट लाइटों पर ऑटोमैटिक सेंसर लगाए जाने के निर्देश दिए, जिससे स्ट्रीट लाइटें स्वतः चालू एवं बंद हो सकें तथा ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिले। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिए गए समस्त निर्देशों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

औचक निरीक्षण में लापरवाही उजागर, अनुपस्थित कर्मियों पर सीएमओ की सख्त कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्य नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ.

चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खलवा, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अचलापुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलरामपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय खलवा में तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ. एकता श्रीवास्तव एवं डॉ. सुरेन्द्र दुबे बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलरामपुर में एलएचवी पुष्पलता श्रीवास्तव, रुक्मणि पाण्डेय, वरिष्ठ सहायक सौरभ चंद्र दुबे नमिता भी ड्यूटी से अनुपस्थित मिलीं। अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सभी अनुपस्थित पाए गए कर्मियों का वेतन रोकने का आदेश तत्काल प्रभाव से जारी किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों पर समय से उपस्थिति एवं मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना सभी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएमओ ने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे तथा लापरवाही करने वाले कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ पल्लवी मिश्रा, फार्मासिस्ट समीर सिद्दकी मौजूद रहे।

अति प्राचीन रानी तालाब पर बनेगा सस्पेंशन ब्रिज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नगर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले अति प्राचीन रानी तालाब पर सस्पेंशन ब्रिज निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू के आमंत्रण पर हिमाचल प्रदेश से आई विशेषज्ञ टेक्निकल टीम ने तालाब के मध्य प्रस्तावित सस्पेंशन ब्रिज के लिए स्थल परीक्षण (साइट इंस्पेक्शन) किया। जानकारी के अनुसार, रानी तालाब स्थित शिवाजी मंदिर से हनुमानगढ़ी मंदिर तक तालाब के बीच सस्पेंशन ब्रिज स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसी क्रम में हिमाचल प्रदेश से सुशांत सिंह,सौरभ सिंह एवं जसबीर सिंह की अनुभवी टीम बलरामपुर पहुंची। टीम द्वारा तालाब के जलस्तर, मिट्टी की संरचना, फाउंडेशन की संभावनाओं, सुरक्षा मानकों सहित अन्य तकनीकी पहलुओं का गहन परीक्षण किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने बताया कि सस्पेंशन ब्रिज के निर्माण से नगर की ऐतिहासिक धरोहर को नया स्वरूप मिलेगा। यह ब्रिज श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, साथ ही शिवाजी मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर के बीच आवागमन भी सुगम होगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। टेक्निकल टीम द्वारा किए गए परीक्षण के उपरांत एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही, डिज़ाइन एवं लागत का निर्धारण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के सौंदर्यीकरण, धार्मिक स्थलों के विकास एवं पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित यह सस्पेंशन ब्रिज एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। उक्त अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि डी.पी.सिंह बैस, अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र मौर्य, जेई सिविल अवनीश यादव, जेई जल धर्मेंद्र कुमार गौड़, गौरव मिश्र एवं शिवम मिश्र उपस्थित रहे।

2024 लोकसभा चुनाव के टिकट को लेकर दद्दन मिश्रा का झलक दर्द

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अगर 2024 में टिकट मिला होता तो आज सांसद होते दद्दन मिश्रा टिकट का अफसोस, जनता का प्यार कृ दद्दन मिश्रा का बड़ा बयान 2024 की सियासत पर दद्दन मिश्रा की साफ बात टिकट नहीं मिला, लेकिन भरोसा आज भी जनता का श्रावस्ती की राजनीति में दद्दन मिश्रा की मजबूत मौजूदगी सेवा भाव से राजनीति करने वाले नेता दद्दन मिश्रा श्रावस्ती को रेल से जोड़ने वाले नेता की कहानी बिना घमंड, बिना दिखावे कृ दद्दन मिश्रा का अलग अंदाज़। जनपद श्रावस्ती के पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री और वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता दद्दन मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनके लिए राजनीति पद की नहीं, सेवा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि

तब श्रावस्ती बेहद पिछड़ा जिला था। शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर उन्होंने जिले को विकास की राह पर लाने का प्रयास किया, जिसका असर आज साफ नजर आता है। 2024 लोकसभा पार्टी नेतृत्व जो भी जिम्मेदारी देगा, उसे पूरी निष्ठा से निभाऊँगा। दद्दन मिश्रा ने श्रावस्ती को रेल लाइन से जोड़ने के संघर्ष को याद करते हुए बताया कि संसद में सबसे पहले उन्होंने ही यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद 2019 में रेल मंत्री द्वारा भूमि पूजन कराया गया। उन्होंने कहा कि जब वे 2007 में मंत्री बने थे चुनाव को लेकर दद्दन मिश्रा ने पहली बार भावुक होते हुए कहा कि अगर टिकट किसी और को नहीं मिला होता तो आज वे निश्चित रूप से लोकसभा श्रावस्ती के सांसद होते। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया, लेकिन साथ ही कहा कि जनता का प्यार और भरोसा ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।प्रक्रिया पर बोलते हुए दद्दन मिश्रा ने कहा कि चुनाव आयोग सही दिशा में काम कर रहा है। जो लोग बाहर बस चुके हैं या जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम हटेंगे और सही मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे। भाजपा कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर यह अभियान मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है।

गांव विकसित होने पर ही राष्ट्र विकसित होगा:राकेश सचान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। गांव विकसित होने पर ही राष्ट्र विकसित होगा। जी रामजी योजना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को 125 दिनों का गारंटी काम मिलेगा। 2047 तक विकसित भारत बनाने का विजन प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है। कांग्रेस पूरे देश में जी रामजी योजना पर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। यह बातें यूपीटी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने पत्रकारों से कही। कैबिनेट मंत्री सचान ने कहा कि मनरेगा में जॉब कार्ड, भुगतान सहित फर्जीवाड़े की शिकायतें लम्बे समय से चली आ रही थीं। भाजपा सरकार ने कैबिनेट में जी रामजी योजना विधेयक पास कराकर ग्रामीणों को रोजगार की गारंटी दी है। मनरेगा में सिर्फ कच्चे कार्य कराए जा रहे थे। जिसका फर्जी पेमेंट के आधार पर बंदरबांट कर लिया जाता था। गांव के विकास से ही जनपद का विकास तथा राष्ट्र का विकास संभव है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को 125 दिनों का काम गारंटी के साथ दिया जाएगा। कृषि के समय ही काम नहीं कराया जाएगा। जी रामजी योजना में एक सप्ताह के भीतर भुगतान कराया जाएगा। एक सप्ताह के बाद भुगतान न होने पर ब्याज लगाकर भुगतान किया जाएगा। केन्द्र सरकार ने अपने बजट में 1.51 लाख करोड़ रुपये जी रामजी योजना शामिल किया है। इस योजना में 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार व 40 प्रतिशत राज्य सरकार की भूमिका रहेगी। नार्थ ईस्ट के पहाड़ी क्षेत्रों में केन्द्र सरकार 90 प्रतिशत व

राज्य सरकार 10 प्रतिशत खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि गांवों में बारात घर सहित अन्य पक्के कार्य कराए जाएंगे। जिसकी निगरानी ब्लाक व जनपद स्तर पर की जाएगी। महात्मा गांधी के राम राज्य के परिकल्पना को भाजपा सरकार पूरा कर रही है। गांव आत्मनिर्भर बनने से लोगों को पलायन बंद होगा। तथा आम लोगों को जी रामजी योजना से लाभ मिलेगा। मनरेगा फर्जीवाड़े के चलते अपने मुख्य उद्देश्य से भटक गया है। कांग्रेस देश की जनता को जी रामजी योजना के प्रति गुमराह कर रही है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, गैसड़ी पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष आंधी प्रसाद निषाद, सुहेदेव भारतीय समाज पार्टी जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी डीपी सिंह व मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय मौजूद रहे।

यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के जिलाध्यक्ष ने स्थापना दिवस पर चलाया सम्पर्क अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद के यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष रोहित मिश्रा के नेतृत्व में स्थापना दिवस पर सम्पर्क कार्यक्रम करके सभी अधिकारियों से मिलकर स्मृति चिन्ह भेट की जिसमें उच्च अधिकारी डीएम व एसपी और ड्रग इंस्पेक्टर सुमित वर्मा से मुलाकात की और फार्मासिस्ट के साथ हो रहे उत्पीड़न को भी अवगत कराया जैसे रजिस्ट्रेशन मे हो रही गड़बड़ी के बारे में भी अवगत कराया और उपस्थित डॉक्टर से भी मुलाकात की जैसे डॉ अनिल कुमार तिवारी,डॉक्टर आफताब आलम, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डी. के. राव, गोण्डा मेडिकल कॉलेज के चेस्ट फिजिशियन डॉ रमेश पाण्डेय, डेन्टल पार्क के संस्थापक डॉ पीयूष रंजन,डॉ राकेश तिवारी गोन्डा मेडिकल कॉलेज की मेट्रन सुनीता मेडम और उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात की यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन के महामंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि फार्मासिस्ट की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी जितनी जल्दी हो सके उनका लाइसेंस बनना चाहिए।इस कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया कि 09 जनवरी को स्थापना दिवस मनाया जाता है,उसी के उपलक्ष में गोन्डा के जितने भी उच्च अधिकारी और डॉक्टर से मुलाकात कर उनको एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अपने यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के बारे में बताया और यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने गोण्डा के एसपी विनीत जयसवाल से एक निवेदन करके कहा कि एक मुहिम चलाया जाए जिसमें ट्रैफिक रूल न पालन करने वालों को एक पुष्प देकर उनको ट्रैफिक के नियमों का बारे में बताया जाये तथा उनको एक बार वार्निंग दिया जाए यह मुहिम यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन के महामंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि इस मुहिम को हमारे जितने भी पदाधिकारी शामिल होकर इस मुहिम का सभी को जानकारी देंग। इसी में उपस्थित संजय अवस्थी ,सनत कुमार पांडे, गोपाल साहू, अनुराग तिवारी,धुरेंद्र पाण्डेय,आदित्य सागर,सौरभ तिवारी,अतुल साहू इत्यादि आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित व जनसमूह को संबोधित कर खेल प्रतियोगिता का किया गया प्रारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टाम्प तथा शुल्क न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग रविन्द्र जायसवाल द्वारा जनपद के कोन विकास खंड में शुक्रवार को विधायक खेल महाकुंभ ब्लाक स्तर पर अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रभारी मंत्री द्वारा सदर विधायक भूपेश चौबे जी की विशिष्ट उपस्थिति में किया गया, प्रभारी मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित करके व जनसमूह को संबोधित कर खेल प्रतियोगिता का आगाज किया। इस अवसर पर खेल शुभारंभ के दौरान प्रभारी मंत्री और सदर विधायक भूपेश चौबे ने खेल मैदान का भ्रमण भी किये, मंत्री ने वॉलीबॉल खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और अपने हाथों से बॉल फेंककर खेल की औपचारिक शुरुआत की। जिसमें, खो–खो प्रतियोगिता में भाग ले रही बालिका खिलाड़ियों से मंत्री ने हाथ मिलाकर उनका परिचय प्राप्त किया। उन्होंने बेटियों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कहा कि पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो भी नवाब बनोंगें। कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा

कि पहले एक पुरानी कहावत प्रचलित थी कि पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे होगे खराब। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी की डबल इंजन सरकार ने इस सोच को बदल दिया है, उन्होंने कहा, आज के दौर में पढ़ोगे लिखोगे तो नवाब बनोगे ही, लेकिन यदि खेलोगे कूदोगे तो भी नवाब बनोगे। प्रदेश सरकार मेडल लाने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सीधे डिप्टी एसपी, डी0एस0पी0 जैसे उच्च पदों पर नियुक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक में पहला मेडल देश के लिए बालिकाओं द्वारा लाया गया था। विधायक खेल महाकुंभ के माध्यम से ग्रामीण स्तर की प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिल रहा है और वह आगे बढ़ रहे हैं। इसके पश्चात मंत्री विशाल इंग्लिश एकेडमी कोन में आयोजित महासम्मेलन में प्रतिभाग किये। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि इस खेल महाकुंभ के माध्यम से कोन ब्लॉक की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखरने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सदर विधान सभा की पांचों ब्लाकों में आयोजित होने वाले विधायक खेल महाकुंभ का शुभारंभ मंत्री द्वारा किया गया, इस खेल महाकुंभ के माध्यम से जनपद सोनभद्र की प्रतिभाओ को निखारने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी खिलाड़ियों और आयोजकों को बधाई दी। इस मौके पर प्रभारी मंत्री, विधायक सदर व उपस्थित जनसमूह ने विधायक दुद्धी विजय सिंह गौड़ के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कोच और भारी संख्या में खेल प्रेमीग्रामीण उपस्थित रहें।

जनचौपाल में जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के बारीमहेवा गांव में

शुक्रवार को जन चौपाल का आयोजन हुआ। जिसमे ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री आवासप्लस, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग, समेत कई योजनाओं की जानकारी दी। कुछ ग्रामीणों द्वारा आवास, शौचालय की मांग की गई जिसपर बीडीओ ने कहा कि आनलाइन आवेदन करें शौचालय मुहैया कराया जाएगा। ए, डी, ओ आईएसबी अनंत कुमार सिंह ने एन, आर, एल, एम, के तहत समूह की महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।ए, डी, ओ पंचायत बृजेश कुमार सिंह ने गांव में स्वच्छता बनाए रखने, एवं शासन की नीतियों को बताया। चौपाल में स्वास्थ्य विभाग एवं समूह की महिलाओं द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न जानकारी दी। इसके बाद खंड विकास अधिकारी ने सामुदायिक शौचालय, एवं आर, आर, सी, सेंटर का निरीक्षण किया और टूटे फर्श की मरम्मत कराते हुए रंगाई, पुताई कराने के लिए ग्राम प्रधान एवं सचिव को निर्देशित किया। उक्त अवसर पर प्रधान बंश नारायण मौर्य, सचिव उमेश चन्द, समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एसबीए चुनाव : 969 में से सिर्फ 20 वकील मतदाताओं ने किया टेंडर मतदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन वर्ष 2026–2027 के चुनाव के लिए शुक्रवार को अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद के लिए एसबीए सभागार में टेंडर मतदान कराया गया। कुल 969 वकील मतदाता हैं, जिनमें से सिर्फ 20 वकील मतदाताओं ने टेंडर मतदान किया। 13 जनवरी को पूर्ण मतदान कराया जाएगा, जबकि 14 जनवरी को मतगणना के बाद विजयी पदाधिकारियों को एल्डर कमेटी चेयरमैन के जरिए शपथ दिलाई जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेश सिंह एडवोकेट ने बताया कि जो वकील मतदाता किसी कार्य से बाहर जाना चाहते हैं उनके लिए शुक्रवार को टेंडर मतदान कराया गया। कुल 20 वकील मतदाताओं ने टेंडर के जरिए अपना मतदान किया। जिसमें आशीष कुमार, आशुतोष कुमार, लल्लन सिंह, ओमप्रकाश सिंह,श्री निवास मिश्र, श्याम कुमार, सुरेंद्र कुमार, महाराज तिवारी, भूपेंद्र नाथ सिंह, पुष्पराज पांडेय, कैलाश नाथ सिंह, सुरेश चंद्र दुबे, विनोद कुमार जायसवाल, .ष्णानंद मिश्र, अजय कुमार सिंह, संदीप मिश्रा, राघवेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र कुमार तिवारी, सतीश कुमार शुक्ला व राधाकांत द्विवेदी शामिल हैं। सहायक चुनाव अधिकारी रणछोर प्रसाद पांडेय एडवोकेट ने बताया कि 13 जनवरी को अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद के लिए 949 वकील मतदाता मतदान करेंगे। चार पदों के लिए कुल 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिसमें अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक 6 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। वहीं महामंत्री पद पर 4, कोषाध्यक्ष पद पर 3 व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं, जिनके लिए मतदान होगा। 14 जनवरी को मतगणना होगी और उसी दिन एल्डर कमेटी चेयरमैन के जरिए विजयी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जाएगी। शेष पदों पर 19 पदाधिकारियों का अकेला पर्चा दाखिल करने की वजह से निर्विरोध चुना जाना लगभग तय है। प्रत्याशियों ने शुक्रवार को कचहरी में वकील मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति, अब 100 नहीं, 125 दिन के रोजगार की होगी गारंटी: प्रभारी मंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टाम्प तथा शुल्क न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग रविन्द्र जायसवाल ने शुक्रवार को सर्किट हाउस चुर्क में पत्रकार बन्धुओं के साथ वार्ता किये, वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत–रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण विकसित भारत–जी राम जी के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पारित विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन अधिनियम–2025 ग्रामीण भारत के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने बताया कि इस नए कानून के माध्यम से न केवल काम के दिन बढ़ाए गए हैं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों को भी पहले से

कहीं अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया गया है। पारदर्शिता के लिए पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से कार्यवाही की जियोटैग्ड फोटो और वीडियोग्राफी रियल टाइम अपलोड की जाएगी। मंत्री ने कहा कि नए अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पुराने अधिनियम मनरेगा में बेरोजगारी भत्ता पाना कठिन था, लेकिन अब सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। यदि काम मांगने पर नहीं मिलता, तो भत्ता स्वतः मिलेगा। इसके अलावा, मजदूरी में देरी होने पर अब श्रमिकों को प्रत्येक विलंबित दिन का मुआवजा भी दिया जाएगा, जिससे व्यवस्था में जवाबदेही तय होगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा में धोखाधड़ी को रोकने और पारदर्शिता बनाये रखने का कोई प्राविधान नहीं था, जिससे रोजगार गारंटी बाधित होती थी और श्रमिक के नाम पर घोटाले होते थे। यह कार्यस्थलों की गरिमा, मजबूत गांव, टिकाऊ संसाधन और प्रभावी शासन के जरिये ग्रामीण आजीविका में ठोस परिणाम देने पर ध्यान केन्द्रित करना है। पहले जहा भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, वही वी0बी0–जी–राम जी के अन्तर्गत मांगे गये काम के 7 दिनों में यदि काम का भुगतान नहीं मिलता तो ब्याज सहित भुगतान किया जायेगा। इस मौके पर एम0एल0सी0 विनीत सिंह, विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाध्यक्ष भाजपा नन्दलाल गुप्ता, अपना दल एस के जिलाध्यक्ष अंजनी पटेल, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिकेत निषाद, राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष श्रीकान्त तिवारी, सुभासपा के जिलाध्यक्ष मनोज पाण्डेय सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, मीडिया प्रभारी अनुप तिवारी सहित पत्रकार बन्धुगण उपस्थित रहें।

डॉ बृजेश महादेव की काव्य कृति "प्रणय पुंजिका" विश्व पुस्तक मेले में शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। 20वां विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली में 10 से 18 जनवरी 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जनपद सोनभद्र के नवोदित रचनाकार, शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ बृजेश कुमार सिंह 'महादेव' की नवीन काव्य .ति "प्रणय पुंजिका" को शामिल किया गया है। यह पुस्तक भारत मंडपम, हाल संख्या–6, स्टाल संख्या ट–18 नई दिल्ली में पाठकों के लिए उपलब्ध रहेगी। बता दें कि डॉ बृजेश महादेव ग्राम भरहरी, जनपद सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी हैं। आपके पिता रामश्रृंगार सिंह एक साधारण किसान हैं तथा माता गायत्री देवी एक कुशल गृहिणी हैं। माता–पिता के आशीर्वाद और कठिन परिश्रम के बल पर आपने साहित्य और शिक्षा

के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक शिक्षा पूर्ण की तथा वित्तविहीन विद्यालय में कार्य करते हुए शिक्षा की लौ जलाए रखी। संघर्षों के बीच आपने प्रशिक्षण एवं परास्नातक शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 2002 में बेसिक शिक्षा परिषद, सोनभद्र में आपकी तैनाती हुई तथा 2014 में पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से आपने डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की। आपका साहित्यिक सफर नब्बे के दशक से आरंभ हुआ। अब तक आपकी अनेक चर्चित पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें प्रमुख हैं सामान्य ज्ञान दर्पण, भौगोलिक मानचित्रांकन, कौन करेगा इंसाफ (बाल उपन्यास), वनवासी महानायक, क्रियात्मक संगीत, भजन चालीसा, तरुवर स्तवन, सरगम बोध, बैसवार समाज, पर्यावरण प्रदीपिका, वनस्पतांजलि, अरमानों की हत्या, महादेव प्रयास, पादप पहेलिया, सवर्णिम सोनभद्र तथा नवीनतम . ति "प्रणय पुंजिका" (2025)। इसके अतिरिक्त अनेक उपन्यास, कहानी संग्रह, काव्य ग्रंथ, शोध ग्रंथ एवं दर्जनों शोधपत्र प्रकाशनाधीन एवं प्रकाशित हैं। आप "सर्चलुक", "मंगला", "सोनांजलि", "निष्ठा", "वाटिका", "बैसवार दर्पण" तथा "साहित्य सरोवर" (ई–पत्रिका) के संपादक भी हैं। साहित्य के साथ–साथ सामाजिक क्षेत्र में भी आपका योगदान उल्लेखनीय है। सामाजिक संस्थाओं, विद्यालयों एवं पुस्तकालयों के संरक्षण एवं संचालन में आपकी सक्रिय भूमिका रही है। आपको एशियन एजुकेशन अवार्ड, नेशनल बिल्डर्स अवार्ड, राज्य **ICT** अवार्ड सहित शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा एवं स्काउटिंग के क्षेत्र में अनेक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर साहित्यप्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने डॉ बृजेश महादेव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

हर बेटी सुरक्षित, हर महिला सशक्त: मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस का अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सु.ढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक एवं प्रभावी जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच बनाते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा पुलिस द्वारा उपलब्ध सहायता संसाधनों की

जानकारी देना रहा। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी.मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों एवं प्रमुख चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, आपात परिस्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं तथा आत्मरक्षा से संबंधित उपयोगी एवं व्यावहारिक सुझाव भी प्रदान किए गए। महिलाओं को बिना भय पुलिस से संपर्क करने एवं किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तत्काल देने हेतु प्रेरित किया गया। सोनभद्र पुलिस जनसामान्य से अपील करती है कि महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित किसी भी आपात स्थिति अथवा अपराध की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या उपरोक्त हेल्पलाइन नंबरों पर दें। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास बनाए रखना सोनभद्र पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त पर बीजपुर पुलिस का शिकंजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक द्वारा वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निर्देशन में थाना बीजपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना बीजपुर पर पंजी.त मु0अ0सं0 03/2026, धारा 64(2)(ड), 137(1)(ख), 115(2), 351(3), 352 बीएनएस तथा 5स्/6 पॉक्सो अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त दिनेश पुत्र लक्ष्मण, निवासी ग्राम देवरी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 22 वर्ष, को मुखबिर की सूचना पर 09.01.2026 को मोटकी मुकुट पहाड़ी तिराहा, प्राथमिक विद्यालय के पास, ग्राम धरतीडाड से गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

05 ग्राम नाजायज हेरोइन के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तथा क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अभियान के दौरान थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा उरमौरा क्षेत्र से अभियुक्त सुफियान खान पुत्र करीमुल्लाह खान, निवासी उरमौरा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 26 वर्ष को गिरतार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 05 ग्राम नाजायज हेरोइन, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 75,000 रुपये बताई जा रही है, बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 18/2026, धारा 8/21/29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजी.त कर अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना रायपुर पर पंजी.त मु0अ0सं0 02/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अमजद खान पुत्र जाने आलम, निवासी ग्राम बभनौली, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 33 वर्ष, को 08.01.2026 को मुखबिर की सूचना पर सफलतापूर्वक गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए उसे नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने परेड का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अभिषेक वर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड के अवसर पर निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस बल को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ, सक्षम एवं सतर्क बनाए रखने के उद्देश्य से त्ज्ब आरक्षियों एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ फिटनेस रन कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त पुलिस बल को अनुशासन, एकरूपता, समयपालन एवं कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए तथा परेड के दौरान बल की कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं समन्वय का अवलोकन किया गया। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा, कैन्टीन, ड्रोन कैमरा शाखा, स्टोर रूम, त्ज्ब मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कंप्यूटर कक्ष, त्ज्ब स्कूल तथा यूपी–112 वाहनों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, रख–रखाव, संसाधनों के उचित उपयोग तथा कार्य की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं मानक अनुरूप बनाए रखना रहा।

1 किलो 310 ग्राम अवैध गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई की गई। 09.01.2026 को समय करीब 10रू45 बजे, मुखबिर खास की सूचना पर थाना अनपरा पुलिस द्वारा अभियुक्त आकाश कुमार मिश्रा के कब्जे से 1 किलो 310 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर गिरतार किया गया। बरामदगी व गिरतारी के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0. 03/2026 धारा 8/20 छक्वै ।बज का अभियोग पंजी.त कर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

पुलिस ने एक नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक

कुमार महाजन द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित/वारण्टियों की गिरतारी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकपुर चन्द्रकान्त पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को वाद संख्या 262/2013 धारा 323/504/506 भादवि से सम्बन्धित एक नफर वारण्टी को गिरतार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पुर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरतार वारण्टी रामकुमार पुत्र विपत निवासी सिकटा थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरतार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक तालीमुद्दीन खान, कांस्टेबल लालबाबू निषाद मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

द राजा साब का क्रेजः बढ़ी प्रभास की फिल्म की टिकट की कीमत, एक शो के लिए देने होंगे इतने दाम

प्रभास स्टारर द राजा साब 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।. यह तेलुगु हॉरर–कॉमेडी कई भाषाओं में रिलीज होगी. प्रभास की जबरदस्त फैन फॉलोइंग की वजह से इसके बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है. इसी बीच आंध्र प्रदेश सरकार ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें प्रभास की संक्रांति पर रिलीज होने वाली फिल्म के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दी गई है.

आंध्र प्रदेश सरकार ने प्रभास–स्टारर द राजा साब के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे 2026 की संक्रांति पर रिलीज से पहले फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है. इस आदेश के तहत, इस हफ्ते से पूरे राज्य में पेड प्रीमियर और रेगुलर शो दोनों के लिए कीमतें बढ़ाई जा सकेंगी.

सरकार के निर्देश के अनुसार, द राजा साब के पेड प्रीमियर शो कल से शुरू होंगे, और इन स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये तय की गई है. इस कदम का मकसद प्रभास की पहली हॉरर फैंटेसी फिल्म को लेकर लोगों में भारी उत्साह का फायदा उठाना है.

आंध्र प्रदेश सरकार का एक नोटिस सामने आया है. सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, आज 9 जनवरी से शुरू होने वाले रेगुलर शो के लिए टिकट की कीमतें सिंगल स्क्रीन में 150 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 200 रुपये बढ़ा दी गई हैं. इसका मतलब है कि आंध्र प्रदेश में पहले दस दिनों के लिए द राजा साब का टिकट सिंगल स्क्रीन में 297 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 377 रुपये होगा.

कीमतों में बढ़ोतरी के अलावा, मेकर्स को इस दौरान हर दिन पांच शो तक दिखाने की इजाजत भी दी गई है. उम्मीद है कि इस फैसले से फेस्टिव सीजन में दर्शकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी और प्रभास की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त ओपनिंग करेगी.

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को यूए 16 सर्टिफिकेट दिया है. मेकर्स ने बोर्ड के सुझाव के अनुसार दो सीन में बदलाव किए.फिल्म का रनटाइम 189 मिनट है.

मारुति की निर्देशित फिल्म द राजा साब में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार फीमेल लीड रोल में हैं. एसएस थमन म्यूजिक कंपोजर हैं. प्रभास के साथ, फिल्म में संजय दत्त और बोमन ईरानी भी हैं.

द राजा साब को एक हॉरर फैंटेसी एंटरटेनर बताया जा रहा है और यह इस जॉनर में प्रभास की पहली फिल्म है. यह फिल्म पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट द्वारा मिलकर प्रोड्यूस की गई है. द राजा साब पूरे भारत में आज 9 जनवरी को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज हुई

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफश्वर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल

अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर : 850 करोड़ के करीब रणवीर सिंह की फिल्म, क्या प्रभास की द राजा साब लगा पाएगी ब्रेक ?

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर इंडियन सिनेमा की धुरंधर फिल्म साबित हुई है. यह एक ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है. फिल्म अपनी रिलीज के 34 दिन पूरे कर चुकी है और चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म की कमाई भले ही कम हुई है, लेकिन ब्रेक नहीं लगा है. अभी भी धुरंधार करोड़ फिगर में कमा रही है. 34वें दिन का कलेक्शन बताता है कि फिल्म धुरंधर अभी भी नहीं रुकने वाली है. लेकिन आज 9 जनवरी को प्रभास की द राजा साब रिलीज होने जा रही है. जाहिर है कि साउथ थिएटर से अब धुरंधर के पोस्टर हटने शुरू हो जाएंगे, लेकिन द राजा साब के लिए नॉर्थ मार्किट में धुरंधर को हराना मुश्किल हो सकता है. चलिए जानते हैं धुरंधर के कुल कलेक्शन के बारे में और द राजा साब पहले क्या कमाल करेगी इस पर भी बात करेंगे.

धुरंधर आज अपना 5वां हफ्ता पूरा करने जा रही है. धुरंधर ने बीते दिन पुष्पा 2 के हिंदी कलेक्शन को पछाड़ने के बाद बॉक्स ऑफिस पर अपना कहर जारी रखा है. धुरंधर ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 34वें दिन 4.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसी के साथ धुरंधर का घरेलू कलेक्शन 836.15 करोड़ रुपये हो गया है. धुरंधर का जलवा अभी जारी है. धुरंधर इंडियन सिनेमा की सिंगल भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एकमात्र फिल्म बन गई है. वहीं, धुरंधर वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भारत की चौथी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. फिल्म ने लिस्ट में आरआरआर को एक पायदान नीचे खिसका दिया है. अब धुरंधर के सामने दंगल, बाहुबली और पुष्पा 2 का रिकॉर्ड बचा है. कल 9 जनवरी को प्रभास की हॉरर–कॉमेडी फिल्म द राजा साब रिलीज होगी. यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज होगी. सैकनिल्क की मानें तो द राजा साब भारत में 3492 शोज के लिए 1,23,987 टिकट सेल कर 3,38,42,167 रुपये कमा चुकी है. वहीं, तेलुगु के बाद हिदी में सबसे ज्यादा 40725 टिकट सेल हुए हैं. यानी 36वें दिन धुरंधर की कमाई पर बड़ा असर दिखने वाला है. वहीं, अगर थलपति विजय की फिल्म जन नायकन भी 9 जनवरी को रिलीज थी, लेकिन किसी कारणवश फिल्म अपनी रिलीज से एक दिन पहले पोस्टपोन हो गई है.

टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज, कार वाला सीन छुड़ा देगा पसीना, राया बनकर यश ने कब्रिस्तान में मचाया गदर

साउथ सुपरस्टार यश आज अपना 40वां बर्थडे मना रहे हैं. इस मौके पर एक्टर को फैंस और सेलेब्स से बधाइयों का तांता लग चुका है. यश ने भी अपने फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है. यश

की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से आज एक्टर के 40वें बर्थडे पर बड़ा तोहफा मिल ही गया. यश के फैंस को इस तोहफे का बेसब्री से इंतजार था, क्योंकि बीती 7 जनवरी की शाम को फिल्म मेकर्स ने अपडेट दिया था कि 8 जनवरी की सुबह फिल्म टॉक्सिक से बड़ा अपडेट आएगा और आज यश की इस मास फिल्म के बड़े अपडेट से पर्दा हट गया है. टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज हो गया है.

2.51 मिनट के टॉक्सिक के टीजर ने कहर ढा दिया है. टीजर यश की एंट्री को लेकर तैयार किया है, जो बहुत ही धमाकेदार है. टीजर इतना खतरनाक और बवालिया है कि अब बॉक्स ऑफिस पर तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता है. टीजर की शुरुआत कब्रिस्तान से होती है, जहां कुछ नामी–ग्रामी लोग किसी अपने को दफनाने आते हैं और कब्रिस्तान पर ताला लगा देते हैं, ताकि कोई अंदर ना घुसे. इसके बाद जो धमाका होता है, वो देखने के बाद किसी के भी रोंगटे खड़े हो सकते हैं. गीतू मोहनदास ने यश को बतौर राया इंट्रोड्यूस किया है कि बताया भी नहीं जा सकता है, लेकिन यश ने भी दिखा दिया कि वो भी किसी धुरंधर से कम नहीं हैं. टॉक्सिक का टीजर देखने के बाद यकीनन किसी के लिए भी फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार करना मुश्किल हो जाएगा. यश का डायलॉग डेडीस होम बवाल मचाने वाला है.

बता दें, यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक से अभी तक पांच एक्ट्रेस नयनतारा, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी हो चुका है. गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म टॉक्सिक साल 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है. यश के फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि यश पूरे चार साल बाद फिल्मी पर्दे पर लौट रहे हैं. यश ने साल 2022 में फिल्म केजीएफ 2 दी थी, इंडियन सिनेमा की चौथी सबसे कमाऊ फिल्म है. अब यश अपनी फिल्म टॉक्सिक से भी यही धमाका करने की फिराक में हैं. वहीं, 19 मार्च को थिएटर में टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 एक साथ भिड़ने जा रही है.

छोटे घर को बड़ा दिखाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, लगेगा अच्छा

छोटे घरों में अक्सर जगह की कमी महसूस होती है। हालांकि, कुछ स्मार्ट सुझावों और उपायों की मदद से आप अपने छोटे घर को बड़ा और खुला दिखा सकते हैं। सही रंगों का चयन, फर्नीचर की व्यवस्था, रोशनी और शीशों का उपयोग करके आप अपने घर को अधिक खुला बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने छोटे घर को बड़ा और आरामदायक बना सकते हैं।

हल्के रंगों का करें इस्तेमाल

हल्के रंगों का उपयोग आपके छोटे घर को बड़ा और खुला दिखाने में मदद करता है। दीवारों पर सफेद, हल्का नीला या हल्का पीला रंग करें, जिससे रोशनी अच्छे से फैल सके। इसके अलावा फर्श और छत पर भी हल्के रंगों का उपयोग करें। फर्नीचर भी हल्के रंग का चुनें ताकि पूरा माहौल साफ–सुथरा और खुला लगे। इस तरह आपके छोटे घर में भी एक बड़ी और खुली जगह का अहसास होगा।

शीशों का करें उपयोग

शीशों का उपयोग करके आप अपने छोटे घर को बड़ा और रोशन बना सकते हैं। बड़े आकार के शीशों को दीवार पर लगाएं, खासकर उन जगहों पर जहां से प्राकृतिक रोशनी आती हो। यह रोशनी शीशों पर पड़कर पूरे कमरे में फैल जाती है, जिससे कमरा अधिक खुला और बड़ा लगता है। इसके अलावा आप कई छोटे शीशों को मिलाकर एक बड़ा दर्पण बना सकते हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत लगेगा।

फर्नीचर की व्यवस्था

फर्नीचर की व्यवस्था करते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह खुली जगह बनाएं। बड़े–बड़े सोफे या कुर्सियां न रखें बल्कि हल्के और छोटे आकार के फर्नीचर चुनें, जो आसानी से इस्तेमाल किए जा सकें। इसके अलावा फर्नीचर को दीवारों से थोड़ी दूरी पर रखें ताकि चारों ओर हवा आ सके और कमरा खुला दिखे। जरूरत पड़ने पर फर्नीचर को फिर से व्यवस्थित करें ताकि जगह का सही उपयोग हो सके और कमरा अधिक खुला लगे।

प्राकृतिक रोशनी का करें अधिकतम उपयोग

प्राकृतिक रोशनी आपके छोटे घर को बड़ा और रोशन बना सकती है। खिड़कियों पर भारी पर्दे न लगाएं, बल्कि हल्के और पारदर्शी पर्दे चुनें ताकि सूरज की रोशनी आसानी से अंदर आ सके। इसके अलावा खिड़कियों को साफ रखें ताकि रोशनी अच्छे से फैल सके। अगर संभव हो तो खिड़कियों को बड़ा बनवाएं या फिर खिसकने वाले दरवाजे लगवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा रोशनी अंदर आ सके और कमरा खुला और बड़ा लगे।

स्मार्ट स्टोरेज समाधान अपनाएंः स्मार्ट स्टोरेज समाधान आपके छोटे घर को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। दीवारों पर शेल्फ लगाएं, बिस्तर के नीचे स्टोरेज का उपयोग करें और कई कामों में आने वाले फर्नीचर चुनें जैसे सोफा–बेड या खाने की मेज जो फोल्ड हो सके। इससे आपके सामान बिखरे नहीं रहेंगे और कमरा साफ–सुथरा दिखेगा। इन तरीकों से आप अपने छोटे घर को बड़ा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे आपका जीवन आसान और खुशहाल होगा।